E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 296 | गुवाहाटी | सोमवार, 27 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

door graph — Premium Quality Hinges

S.S. Traders

Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.

D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05

97079-99344

भीषण गर्मी से जल्द राहत के आसार नहीं — पेज 2

भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास शक्ति का सातवां संस्करण मेघालय में संपन्न — पेज 3

यह चुनाव रामभक्तों पर गोली चलाने वाले और राम मंदिर बनाने वाले के बीच में है : शाह — पेज 5

सिमरन ने जीता स्वर्ण, भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, कुल 17 पदक जीते — पेज 7

शर्मा हार्डवेयर

SHARMA HARDWARE

Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01

98648-02947

सुप्रभात

तुम किसी को दोष मत दो। अगर तुम अपने हाथ आगे बढ़ा कर किसी की मदद कर सकते हो तो करो, अगर नहीं कर सकते हो तो अपने हाथ बांधकर खड़े रहो। अपने वालों को शुभकामनाएं दो और उन्हें उनके रास्ते जाने दो... । आप दोष देने वाले कोई नहीं होते है।

– **स्वामी विवेकानंद**

भारत के इतिहास में *सबसे बड़े बहुमत* से चुनाव जीतेंगे नरेंद्र मोदी : अमेरिकी विशेषज्ञ

न्यूयॉर्क। भारत-अमेरिका संबंधों के विशेषज्ञ रॉन सोमर्स का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 का लोकसभा चुनाव भारत के इतिहास में अब तक के *सबसे बड़े बहुमत* से जीतेंगे। *इंडिया फर्स्ट ग्रुप* के संस्थापक और अग्रणी बिजनेस एडवोकेसी ग्रुप यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) के पूर्व अध्यक्ष रॉन सोमर्स ने कहा कि जब चार जून को लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित होंगे तो उसमें मोदी विजयी घोषित होंगे। सोमर्स ने कहा कि मेरा मानना है कि नरेंद्र मोदी देश के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े बहुमत से लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करेंगे। यह उनके लिए एक श्रद्धांजलि है – 1.40 अरब की आबादी और 97 करोड़ मतदाताओं वाले देश को सात चरण की चुनावी प्रक्रिया में एकजुट करना और इसे निष्पक्ष तथा पूरी तरह से वैध बनाना, और परिणाम की सत्यता पर किसी को भी संदेह नहीं है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा बृहस्पतिवार को *विकसित भारत 2047* नामक विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में सोमर्स ने कहा कि यह दर्शाता है कि भारत पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव से लेकर मोदी तक इस विचार के पीछे पड़ गया है कि *सुधार और भारत को 2047 मोड में लाने की नीति* सार्वभौमिक रही है, देश को उस विकास पथ पर कैसे लाया जाए, इसके लिए सभी को पूर्ण सर्वसम्मति से समर्थन मिला है। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के अध्यक्ष आदिल जैनुलभाई का विशेष संबोधन और एक समिति द्वारा चर्चा भी की गई। विकसित भारत 2047 प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण है। भारत के महावाणिज्यदूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों में, विकसित भारत 2047 एक मिशन है जो न केवल महत्वाकांक्षा की मांग करता है, बल्कि आर्थिक विकास, मजबूत शासन सुधार, स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन और वैज्ञानिक प्रगति को शामिल करने वाली एक बहु-आयामी रणनीति की मांग करता है। इस कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी प्रवासी, अमेरिकी अधिकारी, नीति विशेषज्ञ और विचारक समूह के प्रतिष्ठित सदस्य शामिल थे। श्रीकांत प्रधान ने कहा कि विकसित भारत 2047 की रूपरेखा में संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण शामिल होगा, जिसमें राज्य सरकारों, शिक्षा जगत, उद्योग, नागरिक समाज और भारत के युवाओं के व्यापक परामर्श और इनपुट शामिल होंगे। सोमर्स ने भारत में लोकसभा चुनाव के लिए 97 करोड़ मतदाताओं के होने और चुनावी प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि यह वास्तव में आपको आश्चर्यचकित करता है कि हम -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र में सरकार बनते ही आधी आबादी को देंगे पूरा हक : खड़गे

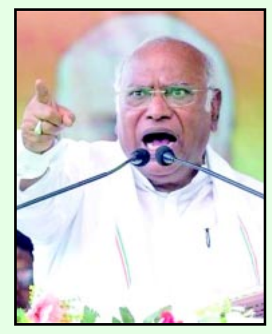

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महिला सशक्तीकरण को पार्टी की प्राथमिकता बताते हुए कहा है कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को पूरा सम्मान देने के साथ ही आधी आबादी को उनका पूरा हक दिया जाएगा। खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि नारी न्याय लिखेगा महिला सशक्तीकरण का नया अध्याय। कांग्रेस ने महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को दूर करने, उनके अधिकारों को बनाए रखने और उन्हें मजबूत बनाने का संकल्प लिया है। महालक्ष्मी गारंटी योजना लागू कर इसी साल 1 जुलाई से हर महीनें, कांग्रेस ने प्रत्येक गरीब परिवार को बिना शर्त 8,500 रुपए नकद हस्तांतरण करने का संकल्प लिया है। इस तरह हर गरीब महिला के बैंक खाते में एक साल में एक लाख रुपए आएंगे जिससे -शेष पृष्ठ दो पर

पांच साल के अंदर देशभर में लागू होगा यूसीसी : अमित शाह

एक देश-एक चुनाव को लेकर भी किया बड़ा दावा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी सरकार के अगले कार्यकाल में ही देशभर में समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी। शाह ने कहा कि अगर भाजपा की सत्ता में वापसी होती है तो सभी हितधारकों से व्यापक चर्चा के बाद यूसीसी को लाया जाएगा। एक इंटरव्यू के दौरान अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार का अगला कार्यकाल कई मायनों में अहम होगा क्योंकि इसी दौरान एक देश-एक चुनाव को भी लागू किया जाएगा। शाह ने कहा कि अब समय आ गया है, जब देशभर में एक साथ चुनाव हों। शाह ने कहा कि समान नागरिक संहिता हम पर एक जिम्मेदारी है, जिसे हमारे संविधान निर्माता हम पर, हमारी संसद पर और राज्य विधानसभाओं पर छोड़कर गए हैं। संविधान सभा ने हमारे लिए जो मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए थे, उनमें समान नागरिक संहिता भी शामिल है। यहां तक कि उस समय भी कानूनी विद्वानों जैसे केएम मुंशी, राजेंद्र बाबू, आंबेडकर जी ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर कानून नहीं होने चाहिए। समान नागरिक संहिता होनी चाहिए। शाह ने कहा कि समान नागरिक संहिता हम पर एक जिम्मेदारी है, जिसे हमारे संविधान निर्माता हम पर, हमारी संसद पर और राज्य विधानसभाओं पर छोड़कर गए हैं। संविधान सभा ने हमारे लिए जो मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए थे, उनमें समान नागरिक संहिता भी शामिल है। यहां तक कि उस समय भी कानूनी विशेषज्ञों जैसे केएम मुंशी, राजेंद्र बाबू, अंबेडकर जी ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर कानून नहीं होने चाहिए। समान नागरिक संहिता होनी चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करके एक प्रयोग किया है क्योंकि यह राज्यों और केंद्र दोनों का विषय है। समान नागरिक संहिता हमारे एजेंडे में साल 1950 से ही है और हाल ही में भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड में इसे लागू भी कर दिया गया है। अमित शाह ने कहा कि मुझे लगता है कि समान नागरिक संहिता एक बड़ा सामाजिक, कानूनी और धार्मिक सुधार होगा। उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाए कानून की भी सामाजिक और कानूनी जांच भी होनी चाहिए और धार्मिक नेताओं से भी सलाह ली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरा मतलब है कि इस मुद्दे पर व्यापक बहस होनी चाहिए और अगर कुछ भी बदलाव की जरूरत महसूस होती है तो उत्तराखंड सरकार को वह बदलाव करना चाहिए। यह मामला कोर्ट में भी जरूर जाएगा और न्यायपालिका भी इस पर अपना विचार देगी। इसके बाद राज्य विधानसभाओं और संसद को भी इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और कानून को लागू करना चाहिए। यही वजह है कि हमने अपने संकल्प पत्र में भी लिखा है कि भाजपा पूरे देश में समान नागिरक संहिता लागू करेगी। क्या देश में अगले पांच वर्षों में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी? इसके जवाब में अमित शाह ने कहा कि यह अगले -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम शर्मा ने पंजाब और पूर्वोत्तर उग्रवाद के बीच समानताएं बताई

फरीदकोट। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 26 मई को पंजाब के फरीदकोट में एक राजनीतिक रैली को संबोधित करते हुए पंजाब और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के ऐतिहासिक संघर्षों के बीच समानताएं बताईं और उग्रवाद और उसके बाद के विकास के साझा अनुभवों पर जोर दिया। दोनों क्षेत्रों के अशांत अतीत पर विचार करते हुए, शर्मा ने उस दौर पर प्रकाश डाला जब पंजाब और पूर्वोत्तर उग्रवाद से जूझ रहे थे, उन्होंने दोनों क्षेत्रों में हिंसा की आवृत्ति और जानमाल के नुकसान के बीच तुलना की। उन्होंने अनिश्चितता -शेष पृष्ठ दो पर

लुरिनज्योति ने रायजोर दल के साथ विलय की संभावना को खारिज किया

शिवसागर (एजे)। शिवसागर विधायक और रायजोर दल के प्रमुख अखिल गोगोई द्वारा असम के हितों की रक्षा के लिए एक *मजबूत क्षेत्रीय बल* की आवश्यकता पर जोर दिए जाने के एक दिन बाद, असम जातीय परिषद (एजेपी) के नेता लुरिनज्योति गोगोई ने उनका विरोध किया है और किसी भी विलय की संभावना को खारिज कर दिया है। अखिल गोगोई ने हाल ही में असम में एक मजबूत क्षेत्रीय इकाई की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा था कि रायजोर दल ने संभावित विलय के बारे में एजेपी के साथ सकारात्मक चर्चा की है। उन्होंने मीडिया से कहा कि रायजोर दल पहले ही इस विलय के लिए सहमत हो चुका है। अब गेंद एजेपी के पाले में है। अगर वे सहमत होते हैं, तो हम एक नए संविधान के साथ एक नई राजनीतिक पार्टी बनाएंगे, जो भाजपा के लिए एक मजबूत विपक्ष का गठन करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अन्य छोटी पार्टियां इस नए -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

भारतीय सेना ने आईईडी हमले को किया नाकाम

इंफाल। भारतीय सेना को बड़ी कामयाबी मिली है। सेना के जाबांज सैनिकों ने इंफाल पूर्वी जिले में तीन इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया है। सैनिकों के इस काम से एक बड़ी घटना को होने से टाल दिया है। आईईडी मफौ बांध -शेष पृष्ठ दो पर

शाहजहांपुर में सड़क हादसा, 11 श्रद्धालुओं की मौत

शाहजहांपुर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जनपद के खुटार थाना क्षेत्र में खुटार-गोला रोड पर शनिवार रात हुए सड़क हादसे में 11 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को राजकीय मेडिकल -शेष पृष्ठ दो पर

अवैध खदान में तीन कोयला खनिकों की मौत की आशंका

तिनसुकिया (एजे)। तिनसुकिया जिले के पटकाई पहाड़ियों में एक अवैध खदान में भूस्खलन के बाद तीन कोयला खनिक फंस गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना लिडो में टिकॉक कोलियरी के अंतर्गत बरगोलाई और नामदांग के बीच अवैध टिकॉक वेस्ट खनन स्थल पर रात करीब साढ़े 12 बजे हुई। उन्होंने कहा कि पटकाई पहाड़ियों में भूस्खलन के बाद तीन कोयला खनिक अवैध रैट-होल खदान के अंदर फंस गए हैं। फंसे हुए लोगों में नेपाल के भोजपुर का दावा चेरपा और मेघालय के दो श्रमिक शामिल हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली के बच्चों के अस्पताल में भीषण आग से सात नवजात शिशुओं की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक विहार इलाके में शनिवार रात बच्चों के अस्पताल में भीषण आग लगने से कम से कम सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने कहा कि 5 नवजात शिशुओं को बचाया गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से एक बच्चे की रविवार सुबह आईसीयू में मौत हो गई। शनिवार रात करीब 11.30 बजे विवेक विहार पुलिस स्टेशन को न्यू बोर्न बेबी केयर हॉस्पिटल और उसके बगल की इमारत में आग लगने की पीसीआर कॉल मिली। घटना की जानकारी लेने के लिए पुलिस के आला -शेष पृष्ठ दो पर

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि पूर्वी दिल्ली में बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने की घटना हृदय विदारक है और इस मामले में लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। आग लगने की घटना में सात नवजात शिशुओं की जान चली गई। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि लापरवाही बरतने वाले या -शेष पृष्ठ दो पर

तीसरी बार भी मोदी ही बनेंगे प्रधानमंत्री : जयशंकर

वाराणसी (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि विकसित भारत की बात करते हुए देश अगर आगे बढ़ रहा है तो इसमें शिक्षकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। शिक्षक आने वाली पीढ़ी को शिक्षित करते हैं। दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी आए जयशंकर रविवार को शिक्षा के साथ सशक्तीकरण : बेहतर कल के लिए शिक्षण विषयक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पूर्वांचल स्कूल ऑफ वेलफेयर एसोसियेशन की पहल पर सनबीम वरुणा में आयोजित कार्यक्रम में जयशंकर ने देश में शिक्षकों की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज -शेष पृष्ठ दो पर

राजकोट हादसा : 28 की मौत, मुख्यमंत्री ने घटनास्थल और अस्पताल का किया दौरा

प्रशासन ने 27 मृतकों और लापता लोगों की सूची जारी की

राजकोट (हि.स.)। राजकोट कालावड रोड पर टीआरपी गेम जोन में लगी आग की घटना में अब तक 27 मृतकों और कुछ लापता लोगों की सूची जारी की गई है। बीती रात हुए इस हादसे के बाद सुबह होते ही मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल राज्य के आला अधिकारियों के साथ राजकोट पहुंचे। उनके साथ गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी समेत राज्य के वरिष्ठ आधिकारी भी थे। घटनास्थल पर मलबा हटाने का काम रविवार सुबह तक जारी रहा। घटनास्थल के बाद मुख्यमंत्री राजकोट सिविल हॉस्पिटल जाकर घायलों से मिले और उनके इलाज के संबंध में जानकारी प्राप्त की। राजकोट के कालावड रोड पर टीआरपी गेम जोन में शनिवार शाम लगी आग में अभी तक 28 लोगों की मौत की खबर है। हालांकि कई अन्य लोग अभी लापता है। -शेष पृष्ठ दो पर

तबाही लेकर आ रहा *रेमल*

बंगाल में हाईअलर्ट, एयरपोर्ट बंद-सैंकड़ों ट्रेनें रद्द

कोलकाता। चक्रवाती तूफान *रेमल* के प्रभाव से पश्चिम बंगाल के तटीय इलाके में तूफानी बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग का कहना है कि रेमल बंगाल की खाड़ी के ऊपर से उत्तर की ओर बढ़ रहा है। रेमल अब पश्चिम बंगाल में सागरद्वीप से 160 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित है। रेमल कैनिंग से 190 किमी दक्षिण और दक्षिण पूर्व और बांग्लादेश में मोंगला से 220 किमी दक्षिण में स्थित है। रविवार की रात यह बांग्लादेश के खेपुपारा में मोंगला से और पश्चिम बंगाल के सागरद्वीप से टकराएगा। उस समय उसकी गति 110 से 120 किमी प्रति घंटा होगी। अस्थायी रूप से तेज हवा की गति 135 किमी तक पहुंच सकती है। चक्रवात के मद्देनजर बंगाल में हाईअलर्ट जारी किया गया है। एयरपोर्ट को 21 घंटे तक के लिए बंद कर दिया गया और सैंकड़ों ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। इस चक्रवात के प्रभाव से उत्तर और दक्षिण 24 परगना, कोलकाता, पूर्वी मिदनापुर, हावड़ा, हुगली में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है। इन जिलों में रेड अलर्ट है। दोनों 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर के कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश का अनुमान है। ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भीषण गर्मी से जल्द राहत के आसार नहीं

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में पड़ रही भीषण गर्मी के अगले पांच दिन तक जारी रहने के आसार हैं। पश्चिमी राजस्थान सर्वाधिक गर्मी की चपेट में है जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। कुछ ऐसा ही हाल असम और पूर्वोत्तर के उत्तरी भागों का भी है। भीषण गर्मी से जल्द ही किसी तरह की राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। तीस मई तक इसमें थोड़ी कमी आ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार चक्रवाती तूफान रेमल रविवार रात बांग्लादेश और भारत से लगते कुछ तटीय क्षेत्रों से टकराएगा। इस दौरान भारी बारिश हो सकती है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। गांगेय पश्चिम बंगाल में 26-27 मई को भारी से बहुत भारी बारिश के साथ अत्यंत भारी वर्षा (204.4 मिमी.) की संभावना है। चक्रवाती तूफान का असर समूचे उत्तर भारत पर भी पड़ने वाला है। इसके चलते नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम एंव त्रिपुरा में 26-28 मई को भारी से बहुत भारी वर्षा (115.5-204.4 मिलीमीटर) और 27 मई को भारी से बहुत भारी बारिश के साथ अत्यंत भारी वर्षा (204.4 मिलीमीटर) होने की संभावना है। उत्तर भारत की बात की जाए तो राजस्थान, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब के अधिकांश स्थानों, पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है और पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, विदर्भ, बिहार, मध्य महाराष्ट्र मराठवाड़ा, गुजरात, सौराष्ट्र एवं कच्छ के अलग-अलग हिस्सों में भी लू चलेगी। हालांकि अगले पांच दिनों में धीरे-धीरे विभिन्न क्षेत्रों में लू का प्रकोप कम होगा और यह सिमटकर पश्चिमी राजस्थान तक रह जाएगा।

पंजाब न हो तो देश सुरक्षित नहीं रह सकता : अमित शाह

चंडीगढ़ (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर पंजाब न हो तो देश सुरक्षित नहीं रह सकता क्योंकि आजादी की लड़ाई से लेकर आज तक पंजाबी हर कुर्बानी में अग्रणी रहे हैं। शाह रविवार को लुधियाना से भाजपा उम्मीदवार रवनीत बिट्टू के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंजाब ने शुरू से लेकर आज तक केंद्रीय पूल में सर्वाधिक खाद्यान दिया है। पंजाब देश के कई राज्यों का पेट भरने का काम भी करता है। उन्होंने कहा कि कुछ ताकतें अपने स्वार्थों के कारण आज हिंदू-सिख का विवाद पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं जबकि वह ये नहीं जानते कि गुरू तेगबहादुर ने कश्मीरी पंडितों की बात पर हिंदुओं की रक्षा के लिए दिल्ली में अपना सर्वोच्च बलिदान कर दिया था। नवम गुरू के बलिदान से ही हिंदुओं को जीवन दान मिला है। आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए अमित शाह ने कहा कि दिल्ली एवं हरियाणा में एक साथ चुनाव लड़ने वाले यह राजनीतिक दल पंजाब में अगल होने का ढोंग कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि आम आदमी पार्टी पंजाब में कांग्रेस के एजेंडे को ही आगे बढ़ा रही है। चाहे वह भ्रष्टाचार का मामला हो या फिर पंजाब के युवाओं को नशे की गत में धकेलना का मामला। पंजाब के युवा आज नशे की चपेट में है। कांग्रेस ने पहले नशा तस्करों के खिलाफ ढील बरती और अब आम आदमी पार्टी के मुखिया ने शराब घोटाले को अंजाम दे रहे हैं तो इनके निचले स्तर के नेता खुलेआम नशा तस्करों को संरक्षण दे रहे हैं। गृह मंत्री शाह ने कहा कि कांग्रेस एवं आप वाले 12 लाख करोड़ के घोटाले के आरोपित हैं। शाह ने पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत में शामिल किए जाने के एलान को दोहराते हुए कहा कि मोदी सरकार ने करतारपुर साहिब कॉरिडोर का निर्माण करके तथा अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर हिंदू-सिख एकता का प्रमाण दिया है। दिल्ली में हुए नरसंहार के लिए कांग्रेस को दोषी करार देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की नीतियां असमाजिक तत्वों को बढ़ावा देने वाली रही है। उन्होंने लुधियाना वासियों को आह्वान किया कि वह रवनीत बिट्टू को सांसद बनाकर दिल्ली भेजे उसके बाद सरकार में भागेदार बनाकर हम इन्हें वापस पंजाब भेजेंगे।

रूस से *सीमा सुरक्षा* के लिए नाटो देशों ने बनाया *ड्रोन दीवार*

नई दिल्ली। रूस के यूक्रेन पर जारी हमलों के बीच 6 नाटो देशों ने बड़ा कदम उठाया है। रूस सहित दुश्मन देशों से *सीमा सुरक्षा* के लिए लिथुआनिया, लातविया, एस्टोनिया, पोलैंड, फिनलैंड और नॉर्वे सहित नाटो देशों ने *ड्रोन दीवार* स्थापित करने का निर्णय लिया है। ड्रोन दीवार नॉर्वे से पोलैंड तक फैलेगी, जिससे शत्रुतापूर्ण देशों (रूस) द्वारा तस्करी और उकसावे के खिलाफ सीमा सुरक्षा बढ़ेगी। लिथुआनियाई आंतरिक मंत्री, एग्ने बिलोटेइट ने कहा कि यह एक तरह से नई चीज है। उन्होंने कहा कि नॉर्वे से पोलैंड तक फैली एक ड्रोन दीवार, और लक्ष्य हमारी सीमाओं की रक्षा के लिए ड्रोन और अन्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना है। इस पहल का उद्देश्य ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम का उपयोग करके अपनी सीमाओं की रक्षा करना है।

करीमगंज में ट्रेन की टक्कर से ऑल्टो कार चकनाचूर

करीमगंज (हिंस)। ट्रेन की चपेट में आई ऑल्टो कार जहां चकनाचूर हो गई है, वहीं कार के ड्राइवर समेत तीन लोगों की जान बाल-बाल बच गयी। यह हादसा आज करीमगंज जिलांतर्गत कायस्थग्राम इलाके में हुआ। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना त्रिपुरा की ओर एक मालगाड़ी के जाते समय एक ऑल्टो कार (एएस-10ए-1511) करीमगंज के कायस्थग्राम इलाके में गेट विहीन रेलवे क्रॉसिंग को पार करते समय, रेलवे लाइन पर फंस गयी। कार के फंसते देख कार में सवार चालक समेत अन्य लोग तुरंत बाहर निकल गए। जिसके चलते उनकी जान बच गयी। वहीं मालगाड़ी ने काफी दूर तक ऑल्टो कार को घसीट दिया। घटना के बाद मालगाड़ी करीब आधे घंटे तक खड़ी रही। सूचना पाकर मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस व रेल कर्मियों ने कार को ट्रैक से हटाया, जिसके बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

कछार के जमालपुर में लगी आग में तीन घर जले

कछार (हिंस)। कछार जिले के धलाई के जमालपुर में लगी भीषण आग में तीन घर जलकर राख हो गए। पुलिस ने आज बताया आग सबसे पहले अताबुर रहमान नामक शख्स के घर में लगी। बाद में आग दो अन्य परिवारों के घरों में फैल गई। हादसा बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से होना बताया गया है। फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया। आग में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई।

देश का एक ऐसा गांव जहां सिर्फ 2 लोगों ने डाला वोट

चंडीगढ़। चुनाव के छठे दौर का मतदान समाप्त हो गया है। 8 राज्यों की 58 सीटों पर वोटिंग की प्रक्रिया समाप्त हो गई। लोगों ने भीषण गर्मी के बावजूद इस पर्व में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। हरियाणा के यमुना नगर जिले से एक ऐसी खबर आई है, जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। यहां एक गांव में कुल 550 मतदाताओं में से केवल 2 लोगों ने वोटिंग में हिस्सा लिया। इस गांव के लोगों का कहना है कि जब तक सरकार हमारी मांग को पूरी नहीं कर देती तब तक हम वोटिंग का बहिष्कार करते रहेंगे। आपको बता दें कि लंबे समय से पुल की मांग पूरी नहीं होने से नाराज टापू माजरी गांव के लोगों ने छठे चरण के मतदान का जमकर बहिष्कार किया। 50 मतदाता वाले गांव में सिर्फ दो लोगों ने अपना वोट डाला। गांव वालों ने कहा कि पुल निर्माण की मांग लंबे समय से लंबित है और सरकार इसपर ध्यान नहीं दे रही है। मिली जानकारी केअनुसार ग्रामीणों ने कहा कि जब तक उनके गांव को जिले के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए यमुना पर पुल नहीं बन जाता, वे भविष्य के सभी चुनावों का बहिष्कार करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह मांग लंबे समय से लंबित है लेकिन प्रशासन ने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों ने हाल ही में एक पंचायत आयोजित की और चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार उनकी मांग को पूरा करने के लिए कदम उठाने में विफल रही तो वे चुनाव का बहिष्कार करेंगे। इसी वजह से अधिकारियों ने बताया कि गांव में लगभग 550 मतदाता हैं और शनिवार को लोकसभा चुनाव में केवल 2 लोगों ने ही अपने मत का प्रयोग किया। ग्रामीणों ने कहा कि पुल नहीं होने से उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ती है और बरसात के समय समस्या और बढ़ जाती है। बता दें कि जिला प्रशासन ने ग्रामीणों को वोट करने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों ने अधिकारीयों की बात मानने से बहिष्कार कर दिया। यह गांव अंबाला क्षेत्र के अंतर्गत यमुनानगर में पड़ता है।

राहुल-तेजस्वी जो संविधान पढ़ते हैं वह शायद भारत का नहीं है : सीएम डॉ. शर्मा

लोकसभा चुनाव में संविधान को लेकर भारतीय जनता पार्टी और इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच घमासान मचा हुआ है। इंडिया गठबंधन के नेता भाजपा पर संविधान को बदलने का आरोप लगा रहे हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने इसे लेकर हमला बोलते हुए कहा था कि पीएम को संविधान की बुनियादी जानकारी नहीं है। उनके बयान पर तंज कसते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री के पास जो संविधान है, वह शायद भारत का नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि क्या यादव संविधान के विशेषज्ञ हैं? हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि तेजस्वी यादव और राहुल गांधी दोनों के पास संविधान की एक प्रति है। इसमें चीनी संविधान की तरह लाल कवर है, जबकि मूल भारतीय संविधान का कवर नीला है। राजद नेता जिस संविधान को पढ़ते हैं वह संभवतः भारत का नहीं है। शर्मा ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या क्या वह संविधान के विशेषज्ञ हैं? क्या उनके पास डी.लिट की डिग्री है? बता दें कि पीएम मोदी ने सभा में दावा किया था कि विपक्षी गठबंधन ने फैसला लिया है कि यदि वे सत्ता में आते हैं तो सबसे पहले वे संविधान को बदल देंगे, क्योंकि वे तुष्टिकरण की नीति पर अमल करना चाहते हैं। वहीं, तेजस्वी यादव ने कहा था कि भाजपा आरक्षण खत्म चाहती है। उनकी पार्टी ने जाति जनगणना के लिए पत्र लिखा था लेकिन उन्होंने इसे खारिज कर दिया। हालांकि बिहार में जाति जनगणना कराई गई और 75 प्रतिशत आरक्षण दिया। शर्मा ने दावा किया कि पांचवें चरण के बाद ही एनडीए ने सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में सीटों पर जीत हासिल कर ली है। छठे और सातवें चरण में एनडीए 400 से अधिक सीटों पर जीत का आंकड़ा पार करेगा। शर्मा ने शनिवार को पटना में भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी के आवास पर पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पृष्ठ एक का शेष

भारत के इतिहास में...

अमेरिका में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव क्यों नहीं करा पा रहे हैं। यह वास्तव में काफी हैरान करने वाली बात है कि जब आप इसे भारत में उस स्तर पर कर सकते हैं तो हमें यहां चुनौती क्यों मिल रही है। सोमर्स ने कहा कि 2047 के लिए भारत द्वारा छोड़ी जाने वाली महान विरासतों में से एक अभी मौजूदा समय में भारतीय चुनावी प्रक्रिया के साथ चल रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी देख रहे हैं और अपनी नजर रख रहे हैं कि भारत में 97 करोड़ लोग अपने गौरव, अपनी गरिमा, देश के भविष्य की महानता के लिए मतदान कर रहे हैं। इस समय भारत में जो हो रहा है वह वास्तव में काफी असाधारण है। और इसलिए, यदि कोई चमकती रोशनी है, तो मुझे आशा है कि भारत लोकतंत्र के भविष्य के दशक में प्रवेश करते समय एक प्रकाशस्तंभ बन सकता है।

केंद्र में सरकार बनते ...

उन्हें पढ़ाई, दवाई, कमाई की सहूलियत मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर आधी आबादी को पूरा हक दिया जाएगा जिसके तहत इस 15 अगस्त से इंडिया गठबंधन ने 30 लाख सरकारी पदों को भरने का प्रण लिया है। इसी कड़ी में महिलाओं के लिए केंद्र सरकार की आधी 50 प्रतिशत नौकरियां आरक्षित होगी। कांग्रेस सुनिश्चित करेगी कि उच्च पदों जैसे न्यायाधीशों, सरकार के सचिवों, उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारियों, कानून अधिकारियों और बोर्ड निदेशकों पर अधिक महिलाओं की नियुक्ति हो। नारी शक्ति का सम्मान जरूरी बताते हुए उन्होंने कहा कांग्रेस फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं -आशा, आंगनवाड़ी, मिड-डे मील रसोइया आदि के वेतन में केंद्र सरकार का योगदान दोगुना करने की गारंटी देते हुए 2,500 से अधिक आबादी वाले गांवों में अतिरिक्त आशा कार्यकर्ता की नियुक्ति करेगी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की संख्या दोगुनी कर 14 लाख अतिरिक्त नौकरियां सृजित करेगी। कांग्रेस कामकाजी महिलाओं के लिए सावित्री बाई फुले हॉस्टल नेटवर्क बढ़ाकर दोगुने हॉस्टल स्थापित करेगी जिससे उन्हें नौकरी करते वक्त रहने की सुरक्षित छत प्राप्त हो सके। कांग्रेस प्रत्येक पंचायत में शिक्षा के लिए पैरा-लीगल के रूप में एक अधिकार मैत्री नियुक्त करेगी जो महिलाओं को उनके अधिकारों पर शिक्षित करेगी और उनके कानूनी अधिकार दिलाने में सहयोग करेगी। खड़गे ने कहा किमहिलाओं ने इस चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है, अभी आखिरी चरण बाकी है। इस बार नारी शक्ति बचाओ के लिए नहीं, आत्मसम्मान के लिए कांग्रेस को चुन रहीं हैं। हाथ बदलेगा हालात। कांग्रेस को वोट दें।

सीएम शर्मा ने पंजाब...

के दौर से महत्वपूर्ण विकास और प्रगति के दौर में भारत द्वारा देखे गए उल्लेखनीय परिवर्तन को रेखांकित किया। सांस्कृतिक संबंधों का हवाला देते हुए शर्मा ने असम में 9वें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर की ऐतिहासिक उपस्थिति का उल्लेख किया, जो पंजाब और पूर्वोत्तर राज्य के बीच साझा विरासत की समृद्ध ताने-बाने को उजागर करता है। उन्होंने सिख गुरु नानक देव जी और असम के पूजनीय व्यक्ति श्रीमंत शंकरदेव की शिक्षाओं में समानता पर जोर दिया, जिससे दोनों क्षेत्रों के बीच गहरी सांस्कृतिक समानताएं रेखांकित हुईं। असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीतिक यात्रा को याद करते हुए शर्मा ने असम और पंजाब दोनों में चुनावी बढ़त हासिल करने में पार्टी के शुरुआती संघर्षों को याद किया। चुनौतियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने महत्वपूर्ण चुनावी लाभ हासिल किया, जिसके तहत असम में 2014 में लोकसभा में सांसदों की संख्या 2 से बढ़कर 4 हो गई। ठोस प्रयासों के माध्यम से भाजपा ने 2016 में असम में अपनी पहली सरकार बनाई, जो 2021 के राज्य चुनावों में एक मील का पत्थर साबित हुई। शर्मा के संबोधन में न केवल पंजाब और असम के बीच ऐतिहासिक समानताओं और सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित किया गया, बल्कि पूर्वोत्तर राज्य में भाजपा की राजनीतिक प्रगति और उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया।

पांच साल के ...

कार्यकाल में हो सकता है। पांच साल इसके लिए पर्याप्त समय है। एक देश एक चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने रामनाथ कोविंद समिति का गठन किया था। मैं भी उसका सदस्य था। यह रिपोर्ट जमा कर दी गई है और अब समय भी आ गया है, जब देश में चुनाव एक साथ कराए जाएं। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में ही इसे लागू करने की कोशिश की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा एक साथ चुनाव कराने से चुनाव की लागत भी कम होगी। इन आम चुनाव में मतदाता भीषण गर्मी से परेशान हैं और इसका असर मतदान प्रतिशत पर भी पड़ा है। ऐसे में क्या चुनाव गर्मी के बजाय सर्दियों के मौसम में कराए जा सकते हैं? इसके जवाब में शाह ने कहा कि हम इस पर विचार कर सकते हैं। ऐसा हो सकता है। अभी स्कूली छात्रों की छुट्टियां चल रही हैं, जिसके चलते काफी परेशानी होती है। समय के साथ चुनाव होते होते गर्मियों के मौसम में होने लगे हैं।

लुरिनज्योति ने रायजोर..

गठबंधन में शामिल होंगी। हालांकि, लुरिनज्योति गोगोई ने पूर्ण विलय के बजाय क्षेत्रीय दलों के एक साझा मंच की वकालत की है। उन्होंने असम के लोगों को बेहतर राजनीतिक विकल्प प्रदान करने के लिए एकीकृत मोर्चे के महत्व पर जोर दिया, उन्होंने सुझाव दिया कि विलय के बिना सहयोग भी अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है। अखिल गोगोई ने आगे बताया कि यदि *तकनीकी* कारणों से विलय विफल हो जाता है, तो रायजोर दल क्षेत्रीय दलों को एक बैनर तले लाने के लिए एक *संयुक्त मोर्चा* स्थापित करने की योजना बना रहा है, जिससे राष्ट्रीय राजनीतिक चुनौतियों के सामने क्षेत्रीय एकता की आवश्यकता पर बल मिलेगा।

अवैध खदान में तीन...

जिनकी पहचान जॉन और फेनाल के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि कुल मिलाकर चार कोयला श्रमिक रैट-होल खदान से अवैध कोयला खरीदने के काम में लगे हुए थे। अधिकारी ने बताया कि उनमें से तीन लोग खदान के अंदर चले गए और चौथा कोयला परिवहन में मदद कर रहा था। अचानक भूस्खलन हुआ, जिससे तीनों मजदूर खदान के अंदर फंस गए। अधिकारी ने कहा कि ऐसा संदेह किया जा रहा है कि उनकी मौत कोयला खदान के अंदर हो गई है, लेकिन जब तक हमें उनके शव नहीं मिल जाते, हम इस बारे में कुछ नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि प्रशासन इस समय बचाव अभियान चला रहा है और सहायता के लिए कई एजेंसियों को बुलाया जा रहा है।

दिल्ली के बच्चों ...

अधिकारी मौके पर पहुंचे। रविवार तड़के आग पर काबू पा लिया गया। एक अग्निशमन अधिकारी के अनुसार, आग पूरी तरह से बुझ गई, 11-12 लोगों को बचाया गया और अस्पताल ले जाया गया और आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है। अस्पताल के पास की इमारत भी आग की लपटों में घिरी हुई थी, इसलिए किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आग में अस्पताल के अंदर रखे कई ऑक्सीजन सिलेंडर भी फट गए। एक अग्निशमन अधिकारी, राजेश ने एएनआई समाचार एजेंसी को बताया कि आग से दो इमारतें प्रभावित हुईं, एक अस्पताल की इमारत और एक आवासीय इमारत की दो मंजिलें हैं। कम से कम 11-12 लोगों को बचाया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। आगे की जानकारी बाद में साझा की जाएगी। यह घटना गुजरात के राजकोट में एक बड़ी आग त्रासदी के मद्देनजर सामने आई है, जिसमें एक गेमिंग जोन में भीषण आग लगने से नौ बच्चों सहित 24 लोगों की जान चली गई थी।

दोषियों को बख्शा...

गलत काम में लिप्त लोगों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार विवेक विहार में आग लगने की घटना में अपने बच्चों को खोने वालों के साथ है और प्रशासन घायलों का उचित इलाज सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उधर दिल्ली में एक और जगह भीषण आग लगने से 3 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली के विवेक विहार के बाद कृष्णा नगर में भी एक घर में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हैं। बता दें कि यह आग चार मंजिला बिल्डिंग की पार्किंग में खड़ी 11 बाइकों में लगी जिसकी लपटें पहली मंजिल तक फैल गई थी। ये घटना देर रात कृष्णा नगर में बैंक ऑफ इंडिया के पास एक नंबर गली में छाछी बिल्डिंग में हुई है। फिलहाल फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उन्हें पहली मंजिल पर एक जला हुआ शव मिला और 12 लोगों का ऊपरी मंजिल से रेस्क्यू किया गया।

तीसरी बार भी ...

मोदी सरकार के चलते भारत देश की प्रतिष्ठा विदेशों में काफी बड़ी है। यह गर्व की बात है। भारत की विदेश नीति भी चर्चा में है। कार्यक्रम के बाद विदेश मंत्री ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि बेहतर कल के लिए शिक्षा-शिक्षण के साथ सशक्तीकरण विषय पर वाराणसी के शिक्षकों और छात्रों के साथ बातचीत करके खुशी हुई। प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण के युग के लिए शिक्षा में दृढ़ता से विश्वास करें। तकनीकी युग और वैश्विक कार्यस्थल को सर्वोत्तम बनाने के लिए पिछले दशक में उठाए गए कई कदमों को रेखांकित किया। साथ ही, हम अपनी परंपराओं और सभ्यतागत विरासत पर भी ध्यान दे रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से जयशंकर ने कहा कि तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। भाजपा के नेतृत्व में एनडीए पूर्ण बहुमत के आंकड़े को पार कर चुका है। हम 400 पार पहुंचने जा रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि मोदी-3 सबको 4 जून को देखने को मिलेगा। यह पूरे देश ने तय कर लिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी पर लोगों को विश्वास है। एक बार फिर बनारस देश को नेतृत्व देने वाले नेता को जीत के मार्ग पर आगे बढ़ाएगा। बनारस का योगदान और लीडरशीप पूरे देश में दिखाई देगा। पिछले 10 सालों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की जो प्रतिष्ठा बढ़ी है, उसे जनता जानती है कि ये प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के कारण ही संभव हो पाया है।

राजकोट हादसा : 28 ...

मलबा से मिले शवों की हालत इतनी खराब है कि उनकी शिनाख्त भी किया जाना मुश्किल हो रहा है। प्रशासन ने परिजनों के डीएनए टेस्ट शुरू किया है, जिससे उन्हें शवों को सौंपा जा सके। कोरोना के समय राजकोट सिविल हॉस्पिटल में जिस जगह कोविड वार्ड था, उसी जगह पर डीएनए सैम्पल लिए जा रहे हैं। रविवार सुबह 4.30 बजे एयर एम्बुलेंस के जरिए 25 डीएनए गांधीनगर भेजा गया। अब 48 घंटे के बाद रिपोर्ट आएगी। जूनागढ़ से भी कई लोग अपने स्वजनों की तलाश में राजकोट पहुंच रहे हैं। एम्स राजकोट में 16 शव कोल्ड स्टोरेज में रखे गए हैं, वहीं 11 शवों को राजकोट सिविल हॉस्पिटल के कोल्ड स्टोरेज में रखा गया है। आग की घटना के बाद सबसे बड़ी समस्या रेस्क्यू की थी। बुलडोजर से रास्ता साफ करने का प्रयत्न किया गया, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली तो पूरा शेड ध्वस्त करने का निर्णय किया गया। इसके लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के 5 बुलडोजर काम पर लगाए गए। शेड तोड़ने का काम सुबह तक चला। टीआरपी गेम जोन में आग लगने की घटना के कई कारण बताए जा रहे हैं। फायर अधिकारियों का मानना है कि सीढ़ी की वेल्डिंग के दौरान उठी चिंगारी से ब्लास्ट और इसके बाद आग भड़ग गई। आग इतनी विकराल थी कि एक मिनट के अंदर ही तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। गेमिंग जोन में रबर-रेक्जिन की फ्लोरिंग थी। इसके अलावा बच्चों के कार के लिए 2500 लीटर डीजल रखा गया था। कार जोन के चारों ओर हजार से अधिक टायरों को कलर कर रखा गया था। लोहे और टीन के स्ट्रक्चर में थर्मोकोल की शीट से पार्टीशन के कारण आग महज कुछ ही सेकेंड में तेजी से फैल गई। बच्चों और अन्य लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। तीसरी मंजिल से लोग बचाओ बचाओ चिल्लाने लगे, लेकिन अंदर जाकर रेस्क्यू करना संभव नहीं था। घटना की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। राजकोट टीआरपी गेम जोन के मालिकों में से एक युवराज सिंह सोलंकी को राजकोट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अन्य मालिकों का उनके घरों पर तलाश की जा रही है। राहुल राठौड़ नाम के भागीदार की देखरेख में वेल्डिंग का काम चल रहा था, जिसकी चिंगारी से पूरा गेमजोन खाक हो गया। राहुल मूल गोंडल का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार युवराज सिंह टीआरपी गेमजोन का मालिक है। कारोबार में वह 15 फीसदी का भागीदार है। जबकि मुख्य मालिक प्रकाश जैन बताया गया है, जो कि राजस्थान का निवासी है। एक अन्य भागीदार राहुल राठौड़ इंजीनियर है, जो कि मेंटिनेंस का काम संभालता था। प्रकाश और राहुल अभी पुलिस के हाथ नहीं लगे हैं। योगेश पाठक और नीतिन जैन गेम जोन में प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे। वहीं जिस जमीन पर गेम जोन चल रहा था, उसका मालिक गिरीराज सिंह जाडेजा है।

बंगाल में हाईअलर्ट...

20 सेमी से अधिक बारिश होने की संभावना है। पश्चिम मेदिनीपुर, नादिया, पूर्वी बर्दवान में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार को नदिया, मुर्शिदाबाद में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। कोलकाता, हावड़ा, दो 24 परगना, हुगली, बीरभूम, पूर्वी बर्दवान में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दक्षिण बंगाल के बाकी जिलों में भारी बारिश की येलो वॉर्निंग जारी की गई है। दोनों 24 परगना में रविवार को बारिश के साथ 100 से 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। कोलकाता, हावड़ा, हुगली और पूर्वी मिदनापुर में हवा की गति 70 से 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। तूफान की अधिकतम गति अस्थायी तौर पर 90 किमी प्रति घंटा हो सकती है। इसके अलावा नादिया, पूर्वी बर्दवान में भी तेज हवाएं चल सकती हैं, लेकिन इसकी गति अपेक्षाकृत कम होगी। इसकी गति 40 से 50 किमी प्रति घंटा हो सकती है। सोमवार को नदिया, मुर्शिदाबाद में हवा की गति बढ़कर 60 से 70 किमी प्रति घंटा हो सकती है। कोलकाता, हावड़ा, हुगली, बीरभूम, पूर्वी बर्दवान में तूफान की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटा हो सकती है। चक्रवात के प्रभाव से सोमवार को मालदह, दक्षिण दिनाजपुर में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कूचबिहार, उत्तर दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी में भी भारी बारिश होने की संभावना है। येलो अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार को कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, दिनाजपुर में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। सोमवार और मंगलवार को मालदा और दिनाजपुर में 35 से 45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पश्चिम बंगाल के हल्दिया, फ्रेजरगंज और ओडिशा के पारादीप और गोपालपुर में नौ आपदा राहत टीमों को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

भारतीय सेना ने ...

के पास नोंगडैम तांगखुल और एथम तांगखुल गांवों को जोड़ने वाली सड़क पर पाए गए थे। जिसे सैनिकों की सूझबूझ से निष्क्रिय कर दिया। जानकारी के मुताबिक एक नियमित निगरानी अभियान के दौरान सेना के जवानों ने सड़क के किनारे एक साथ रखे तीन आईईडी को देखा था। जिसके बाद जवानों ने सतर्कता बरतते हुए तेजी से कार्रवाई की। इस दौरान इलाके की घेराबंदी कर दी गई साथ ही बम निरोधक दस्ते को इसके बारे में जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही बिना देर किए बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और आईईडी को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया। जिससे संभावित जान-माल की हानि और स्थानीय लोगों को चोट लगने से बचाया जा सका। बताया जा रहा है कि अगर आईईडी ब्लास्ट हो जाता तो इलाके में जान माल का काफी नुकसान होता। लेकिन जवानों की सतर्कता के चलते होने वाली अनहोनी को टाल दिया गया। इस दौरान आईईडी के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर भी मिले, जिनका वजन 2 किलो और 5 किलो था। पिछले कुछ महीनों से मणिपुर में लगातार हिंसा की वारदातें सामने आ रही है। हालात काफी बद्तर होते जा रहे हैं। इस दौरान स्थानीय लोगों के साथ ही कई पुलिसकर्मी के साथ ही सुरक्षा बल के जवानों की भी मौत हो चुकी है। आए दिन राज्य के कई शहरों में आगजनी और गोलीबारी की खबरें सामने आ रही हैं। वहीं सुरक्षा बल मणिपुर राज्य में नागरिकों की सुरक्षा के लिए दृढ़ और प्रतिबद्ध हैं। वो हालात को सामान्य करने की पूरी कोशिश में हैं। सेना के जवान और पुलिसकर्मी लगातार चप्पे-चप्पे पर नजर बनाए हुए हैं। ताकि किसी भी तरह की घटना को होने से रोका जा सके।

शाहजहांपुर में सड़क ...

कॉलेज में भर्ती कराया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के प्रति शोक संवेदना प्रकट करते हुए अधिकारियों को हर संभव मदद के निर्देश दिए हैं। पुलिस के मुताबिक जनपद सीतापुर के सिंधौली थाना क्षेत्र से ग्रामीणों का एक दल बस से पूर्णागिरी दर्शन के लिए जा रहा था। रात को खुटार-गोला मार्ग पर कस्बे के पास एक ढाबे पर चालक ने बस को रोका। बस से उतरकर कुछ लोग खाना खाने चले गए जबकि कई लोग अंदर बैठे रहे। रात करीब साढ़े दस बजे खुटार से गोला की ओर जा रहा बजरी लदा एक डंपर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी बस के ऊपर पलट गया। डंपर में लदी बजरी भी बस के अंदर भर गई। हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर पुलिस पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। क्रेन की सहायता से डंपर को हटाया गया। बस से सभी श्रद्धालुओं को बाहर निकाला गया। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि दस लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा और जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह सूचना पाते ही मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य का जायजा लिया।

पिकनिक में गए युवक की डूबकर मौत

बिश्वनाथ (हिंस)। पिकनिक मनाने गए एक युवक की पानी में डूब कर हुई मौत को लेकर बिश्वनाथ के एक नशामुक्ति केंद्र में शनिवार की रात उत्तेजक स्थिति बनी रही। प्रतिज्ञा वेलनेस फाउंडेशन नामक नशामुक्ति केंद्र में युवक रह रहा था। पुलिस ने रविवार को बताया कि शनिवार की दोपहर नशा मुक्ति केंद्र के दो दोस्तों के साथ गहपुर का युवक विक्की सरकार पिकनिक मनाने गया था। बिश्वनाथ के असम-अरुणाचल सीमा पर नमरा इलाके में पिकनिक मनाने गया विक्की उस समय से लापता हो गया था, जब वह अपने दोस्त के साथ नमरा नदी में नहा रहा था। पानी में डूबने के बाद बाद विक्की का शव वहीं मिला। जिसके चलते मृतक विक्की सरकार के माता-पिता रात में नशा मुक्ति केंद्र पहुंचे और हंगामा किया। मृतक बिकी सरकार के माता-पिता ने बताया था कि उन्होंने तीन साल पहले अपने बेटे को नशा मुक्ति करने के लिए द वेलनेस फाउंडेशन नामक नशामुक्ति केंद्र में रखा था। लेकिन, एक साल पहले विक्की सरकार सेंटर से लौट आया, लेकिन कभी-कभार सेंटर पर जाया करता था। इसीलिए उक्त नशा मुक्ति केंद्र द्वारा विक्की से कोई पैसा नहीं लिया जाता था। विक्की कल दोपहर नशा मुक्ति केंद्र पहुंचा और अपने दो दोस्तों गौतम दैमारी और खंजन रामस्यारी के साथ पिकनिक मनाने गया। इस दौरान वे नमरा नदी में नहा रहे थे, तभी नदी के पानी में सरकार डूब गए। दोनों दोस्तों ने तुरंत नशा मुक्ति केंद्र के अधिकारियों को फोन पर इसकी सूचना दी। इस घटना के बाद नशा मुक्ति केंद्र और विक्की सरकार के माता-पिता के बीच अफरा-तफरी मच गई। विक्की सरकार के परिजनों ने बिश्वनाथ पुलिस को सब कुछ बताने के बाद एनडीआरएफ की टीम ने रात में ही विक्की का शव नदी से बरामद किया। पुलिस द्वारा शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई है।

भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास *शक्ति* का सातवां संस्करण मेघालय में संपन्न

शिलांग (हिंस)। मेघालय के उमराई में विदेशी प्रशिक्षण नोड में आयोजित भारत और फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास *शक्ति* का सातवां संस्करण रविवार को संपन्न हुआ। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच संयुक्त रणनीतिक संचालन और अंतरसंचालनीयता को बढ़ाना था। दोनों देशों के त्रि-सेवा प्रतिनिधिमंडलों ने समापन समारोह का अवलोकन किया। इसे अंतिम कानूनी अभ्यास के रूप में मान्यता दी गई है। 13 मई को शुरू हुआ यह अभ्यास आज सैन्य युद्धाभ्यास प्रदर्शन के साथ समाप्त हुआ। अभ्यास *शक्ति* के उद्घाटन पर 13 मई को भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मैथ्यू, भारतीय सेना के मेजर जनरल प्रसन्ना सुधाकर जोशू, 51 सब एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग विशिष्ट अतिथि में शामिल थे। यह द्विवार्षिक आयोजन भारत और फ्रांस के बीच बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। पिछला संस्करण नवंबर, 2021 में फ्रांस में आयोजित किया गया था।

गरम तेल के हमले में एक बच्ची एवं पांच महिला घायल, आरोपी गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के उत्तर गुवाहाटी पुलिस चौकी इलाके के अमीनगांव इस्पात नगर में एक महिला द्वारा पांच महिला और एक पांच साल की बच्ची पर गर्म तेल छिड़के जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि जोनाली हजारिका कलिता नामक महिला द्वारा गर्म तेल छिड़के जाने की वजह से मिनती बोड़ो, सकीना बीवी, प्रीति बेगम, पदुम बोड़ो मिना बोड़ो और एक पांच साल की बच्ची सोनमनी बोड़ो घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया। उत्तर गुवाहाटी पुलिस चौकी में दर्ज प्राथमिकी के अधार पर पुलिस आरोपी जोनाली हजारिका कलिता को गिरफ्तार कर लिया है।

ब्रह्मपुत्र में 49 यात्रियों को लेकर जा रही फेरी फंसी, दहशत

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट में ब्रह्मपुत्र नद में एक फेरी (यंत्र चालित नाव) का इंजन खराब हो जाने से 49 यात्री फंस गए। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की दोपहर को एसबी प्रियानोज-2 नाम की फेरी अफलामुख से 49 यात्रियों को लेकर निमाती घाट की जा रही थी, लेकिन ब्रह्मपुत्र के बीचों-बीच फेरी का इंजन खराब हो गया। तत्काल आधार पर एसबी प्रियोनोज-2 के यात्रियों को बचाने के लिए अफलामुख से एक और फेरी को भेजा गया।

अजगर के रेस्क्यू को लेकर समरिया में सनसनी

नगरबेरा (विभास)। कामरूप जिले में नगरबेरा बनचिलक अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत समरिया विधानसभा क्षेत्र के उत्तर रंगपानी गांव नंबर 3 में एक अजगर को छुड़ाने से इलाके में कोहराम मच गया। पता चला है कि उत्तर रंगपानी गांव नंबर 3 में खेत के बीच में जब स्थानीय लोगों ने एक विशाल अजगर को तालाब के किनारे एक पेड़ पर एक विशाल अजगर लपेटते देखा। करीब 10 फीट लंबे अजगर को देखने के लिए सैकड़ों लोग उमड़ते नजर आ रहे हैं. अंत में जब नगरबेड़ा स्थित अधिकारी कार्यालय में बनांचल को सूचना दी गई तो नगरबेड़ा से वन अमला पहुंचा और सांप को रेस्क्यू कर बामुनी ग्राम वन अधिकारी के कार्यालय को सौंप दिया। इस खबर से गांव में हड़कंप मच गया है।

धिंग में बेहोशी का स्प्रे छिड़ककर लूट

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत धिंग में हाल के दिनों में बेहोशी का स्प्रे छिड़ककर लूटपाट की घटनाओं में बढ़ोत्तरी होने का आरोप लगाया जा रहा है। स्थानीय लोग लूट की इस तरह की घटनाओं को लेकर परेशान हैं। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात धिंग के आठ गांव निवासी मानस सैकिया के घर पर बेहोशी का स्प्रे छिड़ककर नकदी एवं अन्य कीमती सामान चोर लूटकर फरार हो गए। चोरों द्वारा बेहोशी का स्प्रे छिड़के जाने के चलते मानस सैकिया के ससुर बिपुल कलिता, मां रीता सैकिया और मानस सैकिया की 11 वर्षीय पुत्री राखी सैकिया को अचेत अवस्था में धिंग स्थित एफआरयू अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीनों की स्थिति गंभीर बतायी गई है। आशंका जताई जा रही है कि रात में बेहद गर्मी के कारण घर की खिड़की खुली होने का फायदा उठाते हुए चारों ने खिड़की से बेहोशी के स्प्रे का छिड़काव किया होगा। धिंग पुलिस को घटना के बारे में अवगत कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। ज्ञात हो कि पिछले कुछ ही दिनों में चोरों ने धिंग में करीब 10 परिवारों पर बेहोशी का स्प्रे छिड़ककर नकदी और गहने लूट लिए। हालांकि, धिंग पुलिस अभी तक इस घटना में शामिल एक भी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं कर पाई है, जिसको लेकर स्थानीय नागरिक बेहद डरे हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि धिंग पुलिस अपराधियों को पकड़ने के नाम पर महज खानापूर्ति कर रही है।

नेपाली मंदिर प्रांगण में सामाजिक संस्था चौतारी ने स्कूली बच्चों के बीच कराया चित्रांकन प्रतियोगिता

गुवाहाटी। सामाजिक संस्था चौतारी द्वारा स्कूली बच्चों के बीच चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्था के अध्यक्ष गोपाल केसी ने द्वीप-प्रज्ज्वलन कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। नेपाली मंदिर परिसर में आयोजित इस चितांकन प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि के तौर पर नेपाली मंदिर प्रबंधक समिति के अध्यक्ष चिन्तामणि शर्मा तथा पूर्व अध्यक्ष मित्रलाल शर्मा उपस्थित थे। 150 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने इस चित्रांकन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। संगीतांजली-द-म्युजिक स्कूल के कमल दासगुप्त और रत्ना दासगुप्त द्वारा परिचालित इस चित्रांकन प्रतियोगिता में गुवाहाटी के विख्यात मिठाई व्यवसायी शर्मा मिठाई के मालिक भी राजु शर्मा ने प्रतियोगी बच्चों को मिठाई व अन्य खाद्य पदार्थ नि: शुल्क वितरण किया। विजेता छात्र-छात्राओं को सुमन के सी, चौतारी सामाजिक संस्था के महासचिव पीतांबर राजभंडारी, नेपाली मंदिर प्रबंधक समिति के कोषाध्यक्ष पीतांबर शर्मा, उप-सभापति मदन लाल छेत्री, अशोक कार्की छेत्री, राजु शर्मा, विकास शर्मा, गोमा शर्मा क्षेत्री, हीमा जोशी, विशाल शर्मा, कृष्ण उपाध्याय और मिनु छेत्री हरि प्रसाद उपाध्याय और पूजा शर्मा ने पुरस्कार वितरण किया।

मायुमं की बंगाईगांव शाखा एवं जागृति शाखा ने शैक्षणिक उत्कृष्टता उत्सव का आयोजन किया

बंगाईगांव। मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा एवं जागृति शाखा ने संयुक्त रूप से शनिवार को मारवाड़ी युवा मंच भवन के सभा कक्ष में शैक्षणिक उत्कृष्टता उत्सव का आयोजन किया जिसके अंतर्गत समाज के उन सभी छात्र-छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर अभिनंदन किया गया जिन्होंने 2023-2024 शैक्षणिक वर्ष के दौरान सेबा तथा सीबीएसई पाठ्यक्रम के अंतर्गत 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हो। सर्वप्रथम मारवाड़ी युवा मंच के शाखा अध्यक्ष पीयूष सुराणा, मंत्री धीरज शर्मा, स्थायी आमंत्रित सदस्य निर्मल बैद, प्रांतीय मेडिकल चेयरमैन मनीष लखोटिया के साथ जागृति शाखा की अध्यक्षा श्रीमती संजू भंसाली, सचिव श्रीमती नीलम अग्रवाल को मंच पर आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए शाखा अध्यक्ष पीयूष सुराणा ने स्वागत भाषण दिया एवं बच्चों के अच्छे परिणाम के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता उत्सव में उपस्थित होने के लिए सभी का आभार प्रकट किया एवं आशा व्यक्त की कि इसी तरह समाज का सहयोग हमें मिलता रहेगा। खचाखच भरे हुए सभागार में समाज के गणमान्य व्यक्तियों के अलावा अच्छी संख्या में होनहार छात्र-छात्राओं के माता-पिता एवं अभिभावकों की गरिमामय उपस्थित भी सहरानीय योग्य थी। इस दौरान करीबन 22 विशेष योग्यता हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को फूलाम गामोछा, जापी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इससे पहले सभी बच्चों का जागृति शाखा के सदस्यों द्वारा तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया! युवा मंच एवं जागृति शाखा द्वारा ऐसा सम्मान पाकर उपस्थित सभी बच्चे अभिभूत थे तथा उनके साथ पधारे सभी माता पिता के चेहरे पर खुशी की झलक नजर आ रही थी। इस कार्यक्रम में कुछ बच्चों के दादा दादी भी उपस्थित होकर सबका हौसला बढ़ा रहे थे। शैक्षणिक उत्कृष्टता उत्सव को उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं अभिभावकों ने भी संबोधित किया। जिसमें पुखराज सुराणा, महेश कुमार अग्रवाल, मनोज सरावगी, श्रीमती सपना धानुका, श्रीमती प्रमिला सेठिया आदि प्रमुख थे। सभी वक्ताओं ने सफल हुए सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की तथा मारवाड़ी युवा मंच तथा जागृति शाखा को ऐसा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए साधुवाद दिया। शाखा सचिव धीरज शर्मा ने मंच संचालन करते हुए होनहार बच्चों के माता-पिता के सम्मान में एक गाना गा कर माहौल को आनंदमय बना दिया। सम्मान समारोह को सफल करने में मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। ज्ञात हो कि मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव तथा जागृति शाखा निरंतर सभी जन भागीदारी के समाजिक कार्यों में सक्रियता के साथ हिस्सा लेते हुए गत वर्ष भी बच्चों को प्रोत्साहन देने के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता सम्मान समारोह का आयोजन किया था। राष्ट्रीय गान एवं अल्पाहार के साथ समारोह का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने एक स्टडी सर्कल बैठक का आयोजन किया

गुवाहाटी। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने आज होटल नंदन, गुवाहाटी में *आयकर अधिनियम में आकलन वर्ष 2024-25 से लागू संशोधन -एमएसएमई और धारा 115बीएसी पर विशेष जोर* विषय पर एक अध्ययन मंडल बैठक का आयोजन किया। बैठक की शुरुआत स्टडी सर्कल कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट किशोर जैन ने अपने स्वागत भाषण से की। बैठक की अध्यक्षता टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता ब्रजेश कुमार शर्मा ने की। अपने संबोधन में उन्होंने बैठक के विषय के महत्व की जानकारी दी और उम्मीद जताई कि इस बैठक से प्रतिभागियों को विषय समझने में मदद मिलेगी। वक्ता सीए संजय मोदी ने अपने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के साथ आयकर अधिनियम में आकलन वर्ष 2024-25 से लागू संशोधनों-एमएसएमई और धारा 115बीएसी पर विशेष जोर के बारे में बताया। उन्होंने विषय को शानदार ढंग से समझाया। बैठक में 70 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सचिव, लागत लेखाकार, अधिवक्ता, कर सलाहकार, व्यवसायी और अन्य लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रश्न उत्तर सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसमें वक्ता ने प्रतिभागियों के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया। प्रतिभागियों ने वक्ता के ज्ञान की सराहना की और साथ ही इस तरह की बैठक आयोजित करने के लिए एसोसिएशन की भी प्रशंसा की। बैठक सचिव सीए गोपाल सिंघानिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई। आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने कहा कि टैक्स बार एसोसिएशन अक्सर महत्वपूर्ण विषयों पर स्टडी सर्कल मीटिंग और सेमिनार आयोजित करता रहता है। यह बैठक एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई थी ताकि प्रतिभागियों को इस मूल्यांकन वर्ष से लागू आयकर अधिनियम में संशोधन के बारे में जानकारी मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि इस मूल्यांकन वर्ष के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करना शुरू हो गया है और त्रुटि मुक्त फाइलिंग के लिए संशोधनों पर चर्चा करना आवश्यक है।

रंगिया का युवक हैदराबाद से लापता

रंगिया (निसं)। शहर के वार्ड नं 7 का एक युवक प्रदेश के बाहर से लापता हो गया है। हैदराबाद के तेलंगाना पार्क में टहलने निकले 20 वर्षीय राहुल कलिता लापता हैं। हैदराबाद की एक कंपनी में विगत एक साल से काम करने वाले युवक का 43 दिनों मे कोई अता-पता नहीं है। परिवार के पास हैदराबाद में अपने बेटे की तलाश करने के लिए पैसे नहीं हैं। मामले के विवरण के अनुसार रंगिया नगर के वार्ड नं 7 में किराए पर रह रहे जितेन कलिता और अंजलि कलिता के सबसे छोटे बेटे राहुल कलिता एक साल पहले आर्थिक संकट के कारण काम की तलाश में हैदराबाद गया था। हैदराबाद की एक कंपनी में नौकरी पाकर गरीब परिवार ने किसी तरह काम चलाया लेकिन 14 अप्रैल की शाम राहुल अपने दोस्त के साथ पार्क में टहलने जाने के समय के बाद से वापस नहीं लौटा। इसके बाद से राहुल लापता है। राहुल के दोस्त से जब इस बारे में पूछा गया तो उसने पीड़ित परिवार को असहज बयान दिया। घटना की सूचना रंगिया पुलिस को दी गई है परंतु परिवार को उसी क्षेत्र में मामला दर्ज करना होगा क्योंकि यह बाहरी राज्य में लापता हो गया था। बहरहाल परिवार के पास हैदराबाद जाने के लिए पैसे नहीं हैं। फलत: चिंता मे बेटे के लापता होने से पिता बीमार पड़ गए है। बिमार पिता ने असम पुलिस व राज्य सरकार से किसी भी तरह पुत्र की तलाश मे मदद हेतु आहवान किया है।

होजाई व कामरूप जिले में गर्मी के कारण स्कूल का समय बदला

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले में उच्च तापमान को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा छात्रों को स्कूल के समय के दौरान गर्मी से राहत देने और उनके अच्छे स्वास्थ्य की दिशा में एक कदम के रूप में संबंधित अधिकारियों के विचार विमर्श कर 27 मई से जिले के विद्यालयों की पढ़ाई के समय में कुछ बदलाव किया है। यह शेड्यूल कामरूप जिले के सरकारी और निजी क्षेत्र के स्कूलों में लागू होगा। इस समय सूची के अनुसार, निम्न प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण का समय सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक, मध्य अंग्रेजी स्कूलों में सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक और उच्च माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सुबह 7.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक निर्धारित किया गया है। बताया गया है कि यह नया शेड्यूल 27 मई से अगली सूचना तक प्रभावी रहेगा। यह बात एक सूचना जारी कर बताई गई है। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार जिले में भीषण गर्मी को देखते हुए में स्कूल के समय में बदलाव के लिए जिला प्रशासन ने एक निर्देश जारी किया है। जिला प्रशासन के अतिरिक्त आयुक्त और सर्व शिक्षा मिशन अभियान के जिला समन्वयक बोनी इनाम शादाब ने जिला आयुक्त लाचित कुमार दास के अनुमोदन से जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों को एक निर्देश जारी कर 27 मई से प्राथमिक विद्यालय की कक्षाएं प्रात: 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं माध्यमिक विद्यालय की कक्षाएं प्रात: 8 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक चलेंगी और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेंगे। जिला प्रशासन द्वारा अगली सूचना जारी होने तक विद्यालयों की समय सूची यही रहेगी।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी का नौवां स्थापना दिवस मनाया गया

बहुभाषी कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित

तेजपुर/बिश्वनाथ (हिंस)। पूर्वोत्तर भारत में हिंदी भाषा, साहित्य तथा संस्कृति के क्षेत्र में कार्य करने वाले पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी ने आज तेजपुर के असमिया क्लब के सभागार में अपना नौवां स्थापना दिवस, बहुभाषी कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह हर्षोल्लास मनाया। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी की अध्यक्ष रीता सिंह सर्जना की अध्यक्षता में आयोजित सारस्वत समारोह का संचालन तेजपुर विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग की सहायक आचार्या डॉ. गोमा देवी शर्मा ने किया। प्रात: 10 बजे कार्यक्रम आरंभ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ लेखिका व साहित्यकार डॉ. अन्नपूर्णा बाजपेयी मौजूद थी। इसके बाद अतिथियों का आसन ग्रहण, दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना एवं जातीय संगीत, अतिथि सम्मान एवं अतिथि परिचय के बाद स्वागत भाषण: डॉ. शंकर चक्रवर्ती ने दिया। तिलकराज पौड़ेल ने गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद पुस्तक लोकार्पण समारोह क्रमश: *नारी सर्जक* - लेखक डॉ. गोमा देवी शर्मा, और *ईशान प्रभा* -साझा काव्य संकलन (संपादक डॉ. गोमा देवी शर्मा) का अतिथियों के कर कमलों द्वारा पुस्तक लोकार्पण हुआ। सचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जोरहाट की कवियित्री ज्योति अग्रवाल ने कविता पाठ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप डॉ. वेंक्टेश प्रदीप बाबू अंकोलोजिस्ट (तेजपुर) उपस्थित थे। विश्वनाथ के प्रतिनिधि कवयित्री सैयदा आनोवारा खातून, बालकवि दिव्यज्योति बरुवा ने कविता की प्रस्तुति दी। इसके बाद समधुर कंठ में चित्रप्रसाद पौड़ेल ने भजन प्रस्तुत किया। डॉ.करबी देवी, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, नगांव विश्वविद्यालय ने ग्वालपारिया लोकगीत प्रस्तुत की। रेलवे के राजभाषा अधिकारी विक्रम सिंह ने अकादमी की सक्रियता एवं हिंदीत्तर भाषी क्षेत्र पूर्वोत्तर में आयोजित इतने भव्य कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इसके बाद सम्मान समारोह का सत्र रखा गया। सम्मान समारोह *पूर्वोत्तर सृजन सम्मान* क्रमश: डॉ. नंदिता दत्त, कविता तिवारी, ज्योति अग्रवाल, कागो मादो और, पूर्वोत्तर सारस्वत सम्मान क्रमश: मृदुल सहरिया, डॉ. ढुण्डिराज उपाध्याय और नया देवी को दिया गया। पूर्वोत्तर पत्रकारिता रत्न सम्मान क्रमश: विनोद रिंगानिया, गौतम कुमार बोरा, पूर्वोत्तर सृजनकला सम्मान क्रमश: रिजु देवी और तिलक राज पौड़ेल पूर्वोत्तर हिंदी गौरव सम्मान -डॉ. करबी देवी, पूर्वोत्तर हिंदी मित्र सम्मान-संतोष कुमार महतो को प्रदान किया गया। इसके पश्चात तीन स्मृति सम्मान प्रदान किए गए, क्रमश: तेज बहादुर सुनुवार स्मृति सम्मान -गीता लिम्बू, प्रदाता -रीता सिंह *सर्जना* नीलिमा देवी तिम्सिना स्मृति सम्मान-डॉ. अन्नपूर्णा बाजपेई प्रदाता-नारायण उपाध्याय एवं कल्पना देवी आत्रेय तथा विमला देवी प्रह्लाद शर्मा स्मृति सम्मान-नीलिमा बोरा प्रदाता-कंचन शर्मा *कौशिका* को दिया गया। इसके साथ ही हिंदी सप्ताह -2023 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में चयनित सभी विजेताओं को सम्मान वितरण किए गए। नारा लेखन में कविता तिवारी, जनपद फतेहपुर, उत्तर प्रदेश, विमला शर्मा *बोधा,* जोरहाट (असम) लघुकथा लेखन में प्रथम स्थान-मनीषा पाल-लघुकथा-सर्दी, तृतीय स्थान कविता तिवारी-लघुकथा-जंगलराज, निबंध लेखन में द्वितीय स्थान -डॉ. नंदिता दत्त, डायरी लेखन में प्रथम स्थान-विमला शर्मा *बोधा* जोरहाट, द्वितीय स्थान-ज्योति अग्रवाल, तृतीय स्थान-तुलसी क्षेत्री, कॉटन विश्वविद्यालय में हिंदी की अतिथि प्रवक्ता, काव्य रचना में तृतीय स्थान-कागो मादो, अरूणाचल प्रदेश को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न, फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के पदाधिकारी, ट्रस्टी सदस्य, नए संरक्षक एवं नए आजीवन सदस्यों का परिचय एवं प्रमाणपत्र वितरण किया गया। कोषाध्यक्ष डॉ. शंकर चक्रवर्ती के धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान के साथ नौवां सारस्वत समारोह संपन्न हुआ।

संपादकीय

आरक्षण का ही देश नहीं

यह देश किसी एक जाति, संप्रदाय, नस्ल, वर्ग, भाषा और जमात का नहीं है। यह देश हिंदू-मुसलमान या जैन-बौद्ध अथवा सिख-जट या पारसी-ईसाई आदि का भी नहीं है। यह देश दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का भी है तथा अल्पसंख्यक सवर्ण गरीबों का भी है। यह देश समस्त भारतीयों का है, लिहाजा सभी के दुख-सुख और हित में सोचना और नीतियां बनाना अनिवार्य है। दुर्भाग्य और विडंबना है कि इस बार के आम चुनाव में इस विविधता और व्यापकता पर कोई बहस नहीं की गई। सिर्फ मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा सबसे अधिक गूंजता रहा है। विपक्ष के खेमे का लगभग समवेत स्वर रहा है कि मुसलमानों को आरक्षण जरूर देंगे। लालू यादव तो 100 फीसदी आरक्षण मुसलमानों को ही देने के पैरोकार हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च न्यायालय के फैसले के बाद सार्वजनिक ऐलान किया है कि मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी लगातार पलटवार करते रहे हैं कि वह मुस्लिम आरक्षण लागू नहीं होने देंगे। जब तक वह जिंदा हैं, तब तक दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का आरक्षण छिनने नहीं देंगे। आरक्षण किसी का संवैधानिक मौलिक अधिकार नहीं है। हमारे संवैधानिक पुरखों ने एक व्यवस्था 10 साल के लिए तय की थी, ताकि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विषमताएं समाप्त की जा सकें, लेकिन आजादी के 77 साल बाद भी वह 'संवैधानिक कृपा' बरकरार है, विषमताएं भी मौजूद हैं, क्योंकि आरक्षण आज भी लागू है। बल्कि आरक्षण आज राजनीतिक हथियार बन चुका है। संविधान पीठ भी फैसला दे चुकी है कि धर्म पर आधारित आरक्षण 'संवैधानिक' नहीं है। कुछ राज्य सरकारों ने मुसलमानों को धार्मिक कोटा देने की जुर्रत की थी, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने उन्हें खारिज कर दिया। सिर्फ बिहार और बंगाल ही नहीं, मध्यप्रदेश, गुजरात, उप्र, केरल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्यों में भी कई-कई जातियों की आड़ में मुसलमानों को आरक्षण देने की व्यवस्था है। अदालत की आंख में धूल झोंकी गई है। कई राज्यों में तो भाजपा की सरकारें है। कुछ भी संवैधानिक नहीं है, फिर भी आरक्षण का चुग्गा फेंक कर मुस्लिम तुष्टिकरण और बंधक वोट बैंक की राजनीति खेली जा रही है। मुसलमानों की आड़ में बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या सरीखी देश-विरोधी गतिविधियां भी जारी हैं। यह कड़ा आदेश मुख्यमंत्रियों को भी दिया जाना चाहिए कि ऐसे रंगे सियार वोट बैंक असंवैधानिक हैं, लिहाजा देश में एनआरसी भी अनिवार्य की जानी चाहिए। अब तो कुछ दिनों के बाद नई सरकार भारत में बनेगी, लिहाजा वोट बैंक की चिंताएं कम होंगी, लिहाजा भारत सरकार ऐसा अभियान चलाए, ताकि अवैध घुसपैठियों को देश से बाहर किया जा सके। हम पूरा दोष घुसपैठियों को या वोट बैंक के तुष्टिकरण को ही नहीं दे सकते, क्योंकि देश में ही कांग्रेस पूरी तरह 'मुस्लिमवादी' रही है। मुस्लिमवादियों के अपने कुतर्क हैं। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने ही 2004 में जस्टिस रंगनाथ मिश्र आयोग गठित किया था। उसने 2007 में मुसलमानों को ओबीसी आरक्षण देने की सिफारिश की थी। जस्टिस रंगनाथ मिश्र देश के प्रधान न्यायाधीश रह चुके थे। मुसलमानों के लिए ही सच्चर कमेटी का गठन किया गया। यूपीए सरकार के तहत अलग से 'अल्पसंख्यक मंत्रालय' भी बनाया गया, जिसका फोकस मुसलमानों पर ही रहा है। उस दौर में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का विवादास्पद बयान भी सामने आया कि देश के संसाधनों पर पहला दावा और अधिकार खासकर अल्पसंख्यक मुसलमानों का है। 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी का 2012 का एक वीडियो बेनकाब किया है, जिसमें राहुल मुस्लिम आरक्षण का दावा ठोंकते देखे और सुने जा सकते हैं। सवाल है कि इन सरकारों को महज मुसलमानों की ही चिंता क्यों सताती रही है? उनके सरोकार और कार्यक्रम भी मुस्लिम सम्मत क्यों रहे हैं? क्या भारत सिर्फ उन्हीं का देश है? वे करीब 15 फीसदी आबादी हैं। शेष 85 फीसदी आबादी क्या हाथ मलती रहे? यह संवैधानिक न्याय नहीं है। मदद उनकी की जानी चाहिए, जो विपन्न, वंचित और निरक्षर हैं, चाहे उनकी जाति और समुदाय कुछ भी हो। हमारा ही नहीं, यह अधिकांश देश का विनम्र आग्रह है कि बंधक वोट बैंक और तुष्टिकरण के खिलाफ कोई संवैधानिक व्यवस्था बनाई जानी चाहिए और मौलिक अधिकार भी खंडित नहीं होने चाहिए।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च न्यायालय के फैसले के बाद सार्वजनिक ऐलान किया है कि मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी लगातार पलटवार करते रहे हैं कि वह मुस्लिम आरक्षण लागू नहीं होने देंगे। जब तक वह जिंदा हैं, तब तक दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का आरक्षण छिनने नहीं देंगे। आरक्षण किसी का संवैधानिक मौलिक अधिकार नहीं है। हमारे संवैधानिक पुरखों ने एक व्यवस्था 10 साल के लिए तय की थी, ताकि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विषमताएं समाप्त की जा सकें, लेकिन आजादी के 77 साल बाद भी वह 'संवैधानिक कृपा' बरकरार है, विषमताएं भी मौजूद हैं, क्योंकि आरक्षण आज भी लागू है। बल्कि आरक्षण आज राजनीतिक हथियार बन चुका है। संविधान पीठ भी फैसला दे चुकी है कि धर्म पर आधारित आरक्षण 'संवैधानिक' नहीं है। कुछ राज्य सरकारों ने मुसलमानों को धार्मिक कोटा देने की जुर्रत की थी, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने उन्हें खारिज कर दिया।

ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े इन मुद्दों पर भी केंद्र की भाजपा सरकार की खिलाफत की

संवैधानिक व्यवस्था से ऊपर नहीं ममता सरकार

योगेंद्र योगी

ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारूढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान और न्यायपालिका में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का शगल बन गया है। ममता को सिर्फ वोट बैंक की राजनीति नजर आती है, इसके लिए बेशक कानून की कितनी ही धज्जियां क्यों न उड़ानी पड़े। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है।

पश्चिम बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारूढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान और न्यायपालिका में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का शगल बन गया है। ममता को सिर्फ वोट बैंक की राजनीति नजर आती है, इसके लिए बेशक कानून की कितनी ही धज्जियां क्यों न उड़ानी पड़े। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलामानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का, इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े इन मुद्दों पर भी केंद्र की भाजपा सरकार की खिलाफत की है। कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिम बंगाल में हुआ है, उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्य में हुआ हो। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के हाईकमान ने भी कभी ऐसे आरोप केंद्र की भाजपा सरकार पर नहीं लगाए, जैसे कि ममता बनर्जी लगाती रही हैं। ममता ने भ्रष्टाचार, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग, राजनीतिक आधार पर बंदरबाट जैसे मुद्दों पर अदालतों से जितनी फटकार खाई है, उतनी देश के किसी राजनीतिक दल की सरकार ने नहीं खाई। इतना सब कुछ होने के बावजूद ममता बनर्जी अपनी आदतों से बाज नहीं आई हैं। नया मामला पश्चिम बंगाल में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को अदालत द्वारा रद्द करने का है। इस आदेश को सदाशयता से मान कर अपील करने की दलील देने के बजाय मुख्यमंत्री ममता ने ही फैसला देने वाले हाईकोर्ट के न्यायाधीश पर भाजपा समर्थक होने का आरोप लगा दिया। ऐसा करके ममता ने बगैर किसी भय के सरेआम अदालत की अवमानना कर दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वह इस आदेश को स्वीकार नहीं करेंगी, जो तपशिली समुदाय को दिए गए अधिकार छीन लेगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस प्रशासन के तहत 2011 से बंगाल में जारी अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी प्रमाणपत्रों को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया। अदालत ने कहा, हालांकि, इससे वर्तमान में शैक्षणिक संस्थानों में नौकरी या सीटें रखने वाले या जाति प्रमाणपत्र के साथ आवेदन दाखिल करने वाले लोगों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पश्चिम बंगाल में ओबीसी आरक्षण की पूरी कहानी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गठित सच्चर कमेटी की रिपोर्ट पर आधारित है। उस रिपोर्ट में देश में मुस्लिम समुदाय की स्थिति के बारे में विस्तृत बातें की गई थीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों में केवल 3.5 फीसदी ही मुस्लिम थे। इसी को आधार बनाकर 2010 में पश्चिम बंगाल की वाम मोर्चा सरकार ने 53 जातियों को ओबीसी की श्रेणी में डाल दिया और ओबीसी आरक्षण सात फीसदी से बढ़ाकर 17 फीसदी कर दिया। इस तरह उस वक्त करीब 87.1 फीसदी मुस्लिम आबादी आरक्षण के दायरे में आ गई। लेकिन, 2011 में वाम मोर्चा की सरकार सत्ता से बाहर हो गई और उसका यह फैसला कानून नहीं बन सका।

फिर राज्य में तृणमूल कांग्रेस की सरकार आई और ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनीं। ममता की सरकार ने इस सूची को बढ़ाकर 77 कर दिया। 35 नई जातियों को इस सूची में जोड़ा गया, जिनमें से 33 मुस्लिम समुदाय की जातियां थीं। साथ ही तृणमूल सरकार ने भी राज्य में ओबीसी आरक्षण सात फीसदी से बढ़ाकर 17 फीसदी कर दिया। ममता सरकार के इस कानून की वजह से राज्य की 92 फीसदी मुस्लिम आबादी को आरक्षण का लाभ मिलने लगा। हाइकोर्ट ने ओबीसी के मामले में सरकार के फैसले को निरस्त कर दिया। इसके बाद तो मानो ममता का पारा उछल गया। ममता ने अदालत पर मनमाने आरोप लगा दिए। उच्च न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीशों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक न्यायाधीश कह रहा है कि मैं आरएसएस का आदमी हूं, दूसरा भाजपा में शामिल हो जाता है। आप इस तरह से न्यायाधीश कैसे बन सकते हैं और अदालतों की अध्यक्षता कैसे कर सकते हैं? पार्टी के वरिष्ठ नेता और सुश्री बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी आरोप लगाया कि अदालत का फैसला तपशिली समुदाय के लिए आरक्षण रद्द करने के भाजपा के प्रयासों का हिस्सा है। ममता के आरोपों के जवाब में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सुश्री बनर्जी की टिप्पणियों को खारिज कर दिया। शाह ने कहा कि ममता जी ने कहा कि हम उच्च न्यायालय के फैसले को स्वीकार नहीं करते हैं। शाह ने कहा कि बंगाल के लोगों से पूछना चाहता हूं, क्या ऐसा कोई मुख्यमंत्री हो सकता है जो अदालत के आदेश को मानने से इनकार कर दे? उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने बिना किसी सर्वेक्षण के 118 मुस्लिम जातियों को ओबीसी आरक्षण दे दिया। कोई अदालत में चला गया। ममता बनर्जी अपने वोट बैंक के लिए पिछड़े वर्गों के आरक्षण को लूटना चाहती हैं और मुस्लिम जातियों को आरक्षण देना चाहती हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि ये दोनों ही जो फैसले हैं, वो बताते हैं कि ममता बनर्जी की सरकार गैर-संवैधानिक तरीके से तुष्टीकरण की नीति को आगे बढ़ा रही थी। ममता बनर्जी ने वोटों के ध्रुवीकरण की राजनीति करने में कसर बाकी नहीं रखी। मुद्दा चाहे रामनवमी पर हिंसा का हो या संदेशखाली में हिंदू महिलाओं के साथ अत्याचारों का। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने मुसलमानों के वोट बैंक को रिझाने के लिए उल्टे भाजपा और दूसरे विपक्षी दलों पर ही निशाने साधे हैं। इसके अलावा ममता बनर्जी के मौजूदा और पूर्व कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार का ताडंव जम कर हुआ। शारदा घोटाला और नारद स्टिंग खुलासे, कोयला और मवेशी तस्करी, राशन घोटाले और सरकारी परियोजनाओं के लिए फंड से लिए गए कट मनी के आरोपों के बावजूद ममता सरकार में कोई सुधार नहीं दिखा। इससे जाहिर है कि ममता बनर्जी मनमानी करने पर आमदा हैं। बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला, कोयला तस्करी मामला, नगरपालिका नियुक्ति घोटाला व राशन वितरण घोटाले में तृणमूल कांग्रेस के एक दर्जन से अधिक नेता व मंत्री सलाखों के पीछे हैं। इनमें पूर्व मंत्री व विधायक पार्थ चटर्जी, विधायक अनुब्रत मंडल, विधायक मानिक भट्टाचार्य, विधायक जिबनकृष्ण साहा प्रमुख हैं। इस कड़ी में वन मंत्री व पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक का नाम जुड़ गया है। करोड़ों रुपए के शारदा चिट फंड घोटाले में तृणमूल के तत्कालीन राज्यसभा सदस्य संजय बोस और तृणमूल के विधायक व तत्कालीन परिवहन मंत्री मदन मित्रा को गिरफ्तार किया गया था। मित्रा और बोस दोनों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। बंगाल पुलिस ने शारदा चिट फंड घोटाले में टीएमसी के प्रवक्ता और पार्टी के पूर्व राज्यसभा सदस्य कुणाल घोष को गिरफ्तार किया था। ममता सरकार की सर्वाधिक किरकिरी संदेशखाली की शर्मनाक वारदात में हुई। सुप्रीम कोर्ट ने संदेशखाली मामले की सीबीआई जांच का विरोध करने पर पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने सवाल किया कि कोई राज्य सरकार किसी व्यक्ति के हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट कैसे आ सकती है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सीबीआई जांच का निर्देश देने वाले हाई कोर्ट के आदेश पर कोई रोक लगाने से इनकार कर दिया और पूछा था कि राज्य सरकार किसी व्यक्ति के हितों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय से कैसे संपर्क कर सकती है? जहां तक वोटों की राजनीति और बहुमत पाने से काले कारनामों के धुल जाने का सवाल है तो लालू यादव बहुमत के बावजूद जेल गए थे।

दृष्टि कोण

पौंग सेंक्चुरी में माफिया का अतिक्रमण

साल 1971 में पौंग बांध के निर्माण के बाद नहरों का जाल बिछने से राजस्थान की रेतीली ज़मीन तो सोना उगलने लगी लेकिन कांगड़ा जिले के 339 डूबे गांवों के हजारों परिवारों के दिलों में कभी न भर पाने वाले ज़ख्म छोड़ गयी। गत 50 साल से अधिक समय से पौंग बांध विस्थापन ने बेशुमार विवादों, जनसमस्याओं को जन्म दिया है। सरकार, प्रशासन, $खासकर राजनेताओं की अनदेखी, संवेदनहीनता के कारण पौंग डैम वेटलैण्ड तथा वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी की मूल्यवान धरोहर को नष्ट करने के मन्सूबों पर कोई अंकुश नहीं दिखाई दे रहा। पौंग डैम महज़ विस्थापन की समस्या नहीं है। इसके बेशुमार शेड्स हैं। फिलहाल इस लेख का मकसद वैटलैंड एरिया में गुज्जरों के अस्थायी डेरों से पर्यावरण और वन्य जीव-जन्तुओं के बर्बाद होने की ज्वलन्त समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करना है। देश भर में कुल 662 वन्य जीव अभयारण्य हैं जिनमें से पौंग डैम का 207.59 कि. मी. दूर तक फैला क्षेत्र भी शामिल है। साल 1972 में हिमाचल सरकार ने वाइल्ड लाइफ प्रोटैक्शन एक्ट पास किया था जिसके सेक्शन 27 के मुताबिक सेंक्चुरी एरिया में किसी भी प्रकार की गतिविधियों पर पूर्ण रूप से प्रतिबन्ध है ताकि वन्य जीव-जन्तु, पक्षी, मधुमखियां, तितलियां व सभी प्रकार के वन्यजीव सुरक्षित रह सकें। लेकिन गत 50 साल से जम्मू-कश्मीर, पंजाब के अनेक क्षेत्रों से बड़ी तादाद में गुज्जर अपनी भैंसों, गायों व अन्य पालतू पशुओं के साथ बेरोकटोक पौंग डैम में पानी के किनारों की ज़मीन को अपना अस्थायी आशियाना बना लेते हैं। पौंग डैम में बीबीएमबी की हजारों एकड़ भूमि में राजनेताओं की कथित दखलअंदाजी व माफिया दबंगई के बाद बीजी गयी गेहूं की फसल कटने के बाद अप्रैल से जुलाई-अगस्त तक गुज्जर समुदाय के लोग अपनी हजारों भैंसों के साथ हरी भरी उपजाऊ ज़मीन पर डेरा जमा लेते हैं। कोई 60 हजार से ज्यादा भैंसों के गोबर, गून्तर से और सडक़ों तक में विचरने से स्वच्छता अभियान को ठेस लग रही है। भैंसों के साथ आए गुज्जरों के परिवार खुले में शौच करते हैं और मल-मूत्र जनित बीमारियों पैदा करते हैं। भैंसों के चरने से उनके खुरों से ज़मीन नरम हो जाती है और मानसून के आते ही यह गन्दगी व रेत पौंग डैम के पानी में जमा हो रही है। इससे डैम में भारी मात्रा में गाद जमा हो रही है। पर्यावरणविदों का आरोप है कि गुज्जर कट्टियों को तो संभाल कर रखते हैं, लेकिन कट्टुओं को पैदा होते ही मार देते हैं और उन्हें डैम के पानी में बहा देते हैं। ऐसी क्रूरता के उदाहरण भी कम नहीं हैं जब वे कट्टुओं का गला काट कर उनका सिर भैंसों के आगे रख देते हैं ताकि वो दूध के लिए न बिफरें। पालतू पशुओं के साथ यह क्रूरता की इन्तहा है जिस पर गुज्जरों के $खिलाफ मुकद्दमें दर्ज होने चाहिएं। मरे हुए पशुओं से पर्यावरण को कितना नुकसान हो रहा है, इसकी कल्पना सहज ही की जा सकती है। बीबीएमबी की जमीन पर जिसे वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी और अंतरराष्ट्रीय स्तर का वैटलैण्ड और रैमसर साइट घोषित किए गए हैं, उस पर गुज्जर समुदाय का माफिया बेखौफ अवैध गतिविधियों में संलिप्त है। हैरत यह है कि पुलिस, प्रशासन, सरकार, राजनेता सब चुप्पी साधे हुए हैं। मूल रूप से गुज्जरों की 'तानाशाही' के लिए हिमाचल सरकार का वन विभाग का वाइल्ड लाइफ विंग जिम्मेदार है। लेकिन वह क्यों आंखें मूंदे बैठा है, इसकी वजह पौंग डैम एरिया में सक्रिय पर्यावरणविद बताते हैं, ''राजनेता, पुलिस, बीबीएमबी और वन विभाग के अधिकारियों का पौंग बांध में सक्रिय माफिया के साथ कथित रूप से गठजोड़ और अलिखित संधि है। प्रवासी परिन्दों को देखने, नौका विहार करने और वन सम्पदा का अवलोकन करने के लिए देश-विदेश से असंख्य सैलानी आते हैं। लेकिन 50 साल में माफिया ने सेंक्चुरी और वैटलैण्ड में अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देकर मुनाफे के लिए इसका लगातार दोहन किया है और पर्यावरण को बुरी तरह रौंद डाला है। हर साल सर्दियों में साइबेरिया से आने वाले करीब डेढ़ लाख प्रवासी परिन्दों का शिकार जारी है। वन विभाग द्वारा शिकारियों को पकडऩे और उन्हें सज़ा दिलाने के प्रयास कहीं नहीं दिखाई देते। इस मामले में स्थानीय ग्राम पंचायतों के प्रधान व वार्ड मेम्बर भी अपने दायित्व के निर्वहन के प्रति खामोश हैं। बताते हैं कि गुज्जर समुदाय के लोग छह महीने तक अपने डेरे जमाए रखने के लिए अफसरों को लाखों का चढ़ावा चढ़ाते हैं और यहां मजे से डटे रहते हैं। पौंग बांध क्षेत्र में विगत एक दशक से सक्रिय एक अग्रणी पर्यावरणविद मिलखी राम शर्मा ने हिमाचल हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी। 7 अक्तूबर 2023 को याचिका संख्या 41/2023 का फैसला हुआ था। न्यायालय ने गुज्जरों की भैंसों से पैदा होने वाली पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं का कड़ा संज्ञान लेते हुए हिमाचल सरकार को निर्देश दिए थे, 'हम विश्वास व आशा करते हैं कि पौंग डैम वेटलैण्ड क्षेत्र व वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी को बर्बाद करने के प्रयासों पर तुरन्त प्रतिबन्ध लगेगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव, (वन), पीसीसीएफ (वाइल्ड लाइफ), सीसीएफ (नार्थ), धर्मशाला व हमीरपुर के डीएफओ (वाइल्ड लाइफ), एसपी व डीसी कांगड़ा इस विषय में कोर्ट के आदेशों को लागू करें। दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करें।' लेकिन धरातल पर सरकार के उक्त सभी अधिकारियों की कार्रवाई शून्य है। मिलखी राम शर्मा व उनकी एनजीओ के अन्य सदस्य शीघ्र ही हिमाचल सरकार के अधिकारियों के विरुद्ध कोर्ट की अवमानना का केस दायर करने का मन बनाए हुए हैं। इस मामले में भाखड़ा ब्यास मैनेजमेन्ट बोर्ड की चुप्पी भी अ$खरती है। अपनी ड्यूटी के प्रति अवहेलना की यह पराकाष्ठा है। आखिर क्यों वे अपनी ज़मीन पर अवैध गतिविधियों के प्रति कबूतर की तरह आंखें मूदे हुए हैं। डैम में लगातार सिलटिंग की समस्या के प्रति चुप्पी साधे हुए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि बीबीएमबी की भी गुज्जर माफिया, अपनी ज़मीन पर अवैध खेती और अन्य गतिविधियों के प्रति मूक बने रहने के पीछे कोई निहित मन्शा है।

कुछ अलग

अटैची गए कहां...

भीषण गर्मी पड़ रही है। सूर्य भी प्रचंड हो रहा है और मुखिया का भाषण भी आग उगल रहा है। यानी भाषण और गर्मी की दोहरी मार पड़ रही है। भाषण अटैची से शुरू होता है और अटैची पर खत्म हो जाता है। पब्लिक प्रचंड गर्मी से भी हलकान है और नेताजी के 'राग अटैची' की रहस्यमयी गुत्थी सुलझाने में भी नाकाम है। पब्लिक जगह-जगह पूछ रही है कि अटैची दिए गए थे तो अटैची गए कहां? जब अटैची दिए जा रहे थे तो सरकार कहां सोई थी और सरकार की सीआईडी कहां सोई थी? जब सरकार भी सोई थी और खुफिया एजेंसियां भी सोई थी, तो फिर जाग कौन रहा था? सरकार के बारे में तो माना जा सकता है कि सत्ता के नशे में चूर होकर सोई हुई थी। लेकिन गुप्तचर एजेंसियों की आंखों पर पट्टी किसने बांध रखी थी? किसी ने किसी को अटैची देते नहीं देखा और किसी ने किसी को अटैची लेते नहीं देखा। एक साथ कितने अटैची खरीदे गए थे, किस शहर से खरीदे गए थे, किस दुकान से खरीदे गए थे, इसका कोई बिल भी सरकार पेश नहीं कर पा रही। यह तो सरकार को जीएसटी में भी हुआ सीधा-सीधा नुकसान है। जीएसटी का भुगतान नहीं हुआ तो सरकारी खजाने को चपत लग गई। अब ऐसी कौनसी ताकत थी जो सरकारी खजाने को भी चपत लगा गई और सरकार के मुलायम मुलायम गाल पर भी चपत लगा गई। गाल अभी तक लाल हैं। यह शर्म से भी लाल हो सकते हैं और गुस्से से भी लाल हो सकते हैं क्योंकि गाल लाल दो तरह से होते हैं। अगर गुस्से से लाल हैं तो सरकार को तुरंत अपना गुस्सा बाहर निकाल देना चाहिए। सरकार अगर अपने भीतर गुस्सा रखती है तो सरकार को कई तरह की बीमारियां हो जाती हैं। रक्तचाप बढ़ जाता है। लेकिन अगर गाल शर्म से लाल हैं तो सरकार को आत्ममंथन करना चाहिए कि शर्म के इन पलों की उत्पत्ति कैसे हुई? अटैची में न तो गुस्सा छिप सकता है और न ही शर्म छिपाई जा सकती है। अटैची इस काम के लिए नहीं बने हैं। हम आम तौर पर अटैची में अपना जरूरत का सामान डालकर सफर करते हैं। लेकिन अटैची राजनीतिक मुद्दा और चुनावी मुद्दा क्यों बन गए, इस बारे बड़ा असमंजस का माहौल है। पब्लिक कंफ्यूज है कि बड़े नेताजी अपनी उपलब्धियों के नाम पर वोट नहीं मांग रहे...सिर्फ अटैचियों की बात कर रहे हैं। क्या पब्लिक से जुड़े मुद्दे चुनाव में गौण हो जाते हैं या फिर अपनी नाकामियां छिपाने के लिए सरकार जनता का ध्यान बांटना शुरू कर देती है? पब्लिक कह रही है कि हमें महंगाई से निजात दो। युवा कह रहे हैं कि हमें नौकरी दो। कर्मचारी और पेंशनर कह रहे हैं कि हमारे एरियर का भुगतान करो। किसान और बागवान कह रहे हैं कि हमें उचित समर्थन मूल्य दो। लेकिन नेताजी इन सारे सवालों से अपना पिंड छुड़ाते हुए कह रहे हैं कि अटैची देने वाले और अटैची लेने वाले एक दिन सलाखों के पीछे जाएंगे। पब्लिक परेशान होकर पूछ रही है कि हमारे मुद्दों पर भी जो अटैची भारी पड़ गए, वे अटैची आखिर हैं कहां? नेताजी कह रहे हैं कि अटैची तो पता नहीं लेकिन सबूत उनके पास हैं। पब्लिक को अटैची लेने और देने का सबूत नहीं चाहिए, पब्लिक को तो बस यही सबूत चाहिए कि सरकार ने कितनी नौकरियां दी। कितने वादे पूरे किए। खाद्य पदार्थों की कीमतों को कितना कम किया। नेताजी पब्लिक की इस मांग से सहमत नहीं हैं। पब्लिक की समस्याओं और सवालों की बजाय अटैची को बड़ा मुद्दा मानते हैं। इसलिए घूम फिर कर सवाल वहीं खड़ा हो रहा है कि अटैची आखिर गए कहां...? जमीन निगल गई या आसमान खा गया...?

देश दुनीया से

सड़क पर सबके काम आए अच्छा कानून

'सड़क दुर्घटना' पर एक निबंध लिखने को भी उसे कहा गया। इसकी विशेषकर सोशल मीडिया में तेज प्रतिक्रिया हुई और किशोर न्याय बोर्ड की लानत-मलामत शुरू हो गई। नतीजतन, बोर्र्ड ने न सिर्फ अपना फैसला बदला, बल्कि 5 जून तक किशोर को बाल सुधार गृह में भेज दिया। हालांकि, यह अब तक स्पष्ट नहीं किया गया है कि उस किशोर को बालिग की तरह सजा दी जाएगी या नाबालिग की तरह रियायत? यह जानकारी देश के संभवत: बहुत कम लोगों को है कि किशोर न्याय अधिनियम, 2015 में साल 2021 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए थे, जिसे 1 सितंबर, 2022 को लागू कर दिया गया है। यहां इसकी धारा 18 का जिक्र आवश्यक है, जिसमें पहले यह प्रावधान था कि जिनकी उम्र 18 साल से कम है, उनके द्वारा यदि कोई 'छोटा' या 'गंभीर' अपराध किया जाता है, तो उसका निस्तारण किशोर न्याय बोर्ड करेगा।

पुणे में एक नाबालिग के शराब पीकर दो नौजवानों को रौंदने की घटना कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाती है। इस पूरी घटना में पुलिस-प्रशासन के साथ-साथ किशोर न्याय बोर्ड के रवैये पर भी सवाल उठ रहे हैं, जो बिल्कुल स्वाभाविक हैं। दरअसल, शनिवार-रविवार की रात 17 वर्ष का एक किशोर शराब के नशे में अपने पिता की पोर्श कार करीब 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ा रहा था और उसने एक बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार दो युवा इंजीनियरों की मौत हो गई। लोगों ने आरोपी को पुलिस के हवाले किया और पुलिस उसे लेकर किशोर न्याय बोर्ड पहुंची, लेकिन वहां उसे न सिर्फ बड़ी आसानी से जमानत मिल गई, बल्कि 300 शब्दों में 'सड़क दुर्घटना' पर एक निबंध लिखने को भी उसे कहा गया। इसकी विशेषकर सोशल मीडिया में तेज प्रतिक्रिया हुई और किशोर न्याय बोर्ड की लानत-मलामत शुरू हो गई। नतीजतन, बोर्र्ड ने न सिर्फ अपना फैसला बदला, बल्कि 5 जून तक किशोर को बाल सुधार गृह में भेज दिया। हालांकि, यह अब तक स्पष्ट नहीं किया गया है कि उस किशोर को बालिग की तरह सजा दी जाएगी या नाबालिग की तरह रियायत? यह जानकारी देश के संभवतः बहुत कम लोगों को है कि किशोर न्याय अधिनियम, 2015 में साल 2021 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए थे, जिसे 1 सितंबर, 2022 को लागू कर दिया गया है। यहां इसकी धारा 18 का जिक्र आवश्यक है, जिसमें पहले यह प्रावधान था कि जिनकी उम्र 18 साल से कम है, उनके द्वारा यदि कोई 'छोटा' या 'गंभीर' अपराध किया जाता है, तो उसका निस्तारण किशोर न्याय बोर्ड करेगा। मगर 2021 के संशोधन में न सिर्फ इसमें 'जघन्य अपराध' को शामिल किया गया, बल्कि उम्र सीमा घटाकर 16 साल की गई। यानी, अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को बालिग माना जा सकता है और आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 के तहत उस पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है। जाहिर है, कानूनी संशोधनों के मुताबिक इस किशोर को भी उम्र और अपराध की प्रकृति के मुताबिक बालिग समझा जाना चाहिए था, पर ऐसा नहीं किया गया। वैसे कानून यह भी है कि वह 16 वर्ष से कम भी होता, तब भी इतना गंभीर अपराध करके वह बाल सुधार गृह नहीं, जेल जाता या सजा पाता। अफसोस की बात यही है कि यह कानून 1 सितंबर, 2022 से भारत में लागू है, फिर भी इसकी जानकारी कम लोगों को है। साधारण व्यक्ति की बात छोड़िए, इस मामले में तो यही जान पड़ता है कि संबंधित अधिकारीगण और किशोर न्याय बोर्ड भी आंखें मूंदे हुए है। यहां आरोपी को अपने परिवार के रसूख का फायदा मिलता भी दिखता है। इतना गंभीर अपराध करने के बाद भी यदि आरोपी को तुरंत जमानत मिल गई, तो यह बात कहीं न कहीं हमारी व्यवस्था पर सवाल उठाती है। यह भी संकेत है कि आरोपी के परिजनों के दबाव में उसे राहत दी गई थी। उल्लेखनीय यह है कि किशोर न्याय अधिनियम में 'छोटे', 'गंभीर' और 'जघन्य' अपराधों की श्रेणियां सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शिल्पा मित्तल बनाम दिल्ली के मामले में साल 2020 में दी गई टिप्पणी के बाद

बांटी गई थीं, जिसमें कहा गया था कि किशोर न्याय अधिनियम में अपराध की चौथी श्रेणी 'जघन्य अपराध' के लिए प्रावधान नहीं किए गए हैं, जिसमें अपराध के लिए अधिकतम सजा सात वर्ष है, किंतु न्यूनतम सजा नहीं है। स्पष्ट है, किशोर न्याय बोर्ड को इस कानून की जानकारी होनी चाहिए थी और इस मामले को नियमित अदालत में कार्रवाई के लिए भेजना चाहिए था। उसका कर्तव्य आरोपी को सही मार्ग दिखाना है, इसलिए उसकी यह अनभिज्ञता दुखद है। पीड़ित परिवार चाहे, तो उच्च न्यायालय जाकर इंसाफ की गुहार लगा सकता है। इस मामले में पुलिस चाहती, तो काफी कुछ कर सकती थी। ऐसे मामलों को रोकने के लिए उसके पास कई शक्तियां हैं। मसलन, पुलिस किसी को भी, बिना कारण भी, गिरफ्तार कर सकती है, जिसने किसी पुलिस अफसर के सामने एक गैर-जमानतीय अपराध किया हो। इतना ही नहीं, यदि किसी के खिलाफ वाजिब शिकायत की गई है या उसके खिलाफ कोई विश्वसनीय रिपोर्ट आई है या ऐसी कोई गैर-जमानतीय अपराध का संदेह उस पर हो, जिसमें सजा सात वर्ष या इससे ज्यादा हो, तो पुलिस उसे गिरफ्तार कर सकती है। देश के परिवहन कानून को भी काफी सख्त बनाया गया है। अब तो तेज गति या लापरवाही से गाड़ी चलाने के परिणामस्वरूप किसी अन्य व्यक्ति को चोट लगने या मृत्यु होने के मामले में धारा 279 और धारा 304-ए (लापरवाही से मौत का कारण बनना), धारा 337 (किसी के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कार्य से चोट पहुंचाना) या धारा 338 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालकर गंभीर चोट पहुंचाना) के तहत दोषी को दंडित किया जा सकता है। इनमें 10 वर्ष तक की सजा हो सकती है। जाहिर है, कानून के पालन में चूक हुई है। पुलिस अधिकारियों को नए कानूनों की जानकारी के लिए प्रशिक्षण देना अनिवार्य है। उनमें यह समझ भी विकसित करनी होगी कि किस अपराध में किस धारा के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए? यदि पुलिस-प्रशासन रसूखदारों की परवाह किए बिना, आम आदमी के हित में कानून का पालन करेंगे, तो देश बहुत हद तक अपराध से मुक्त हो सकता है। इसी तरह, ड्राइविंग लाइसेंस को जारी करने की प्रक्रिया में भी सुधार जरूरी है। खास गाड़ियों के लिए सोच-विचारकर ड्राइविंग लाइसेंस जारी होना चाहिए। अच्छी बात है कि नाबालिगों के गाड़ी चलाने के मामले में उनके माता-पिता को गिरफ्तार कर सजा का प्रावधान किया गया है, जिसका कड़ाई से पालन जरूर किया जाना चाहिए। अपने देश में शराब पीकर गाड़ी चलाना, बिना नंबर प्लेट की गाड़ी चलाना या मोबाइल चलाते हुए गाड़ी चलाना आदि भी कानूनन अपराध हैं। असल में, अपने देश में कानून तो कई हैं, लेकिन उनका पालन सुनिश्चित नहीं हो पाता है। इसी अनदेखी की वजह से कानून की अवहेलना होती है और इसे लागू करने वाली एजेंसियां अथवा अधिकारीगण सुस्त जान पड़ते हैं। विडंबना यह है कि न्यायालय आदेश देने में तो तत्परता दिखाते हैं, लेकिन उस आदेश को लागू करवाने के मामले में उनके हाथ बंधे दिखते हैं।

आप का नजरीया

हिमाचल के सियासी गुनाह

हम जिस तकदीर को सियासत को सौंप देते हैं, वही हमारे फैसलों के गुनाह में शरीक होती है। ऐसा नहीं कि जो नेता अपराजेय रहे, वही कद्दावर हो गए, कई बार हार कर भी मंजिलें कबूल करती हैं। हिमाचल अपने अस्तित्व से आज तक और वर्तमान से भविष्य तक जिस नेतृत्व को अंगीकार करता रहा या आइंदा देख रहा है, क्या वही सत्य है। कई झूठ भी जीत जाते हैं हमारी रजामंदी से, हमें तो अपनी राख होना भी इज्जत देता रहा। ऐसा भी नहीं कि प्रदेश में सियासत ने ही हमेशा धोखा दिया, बल्कि कई बार समाज की हसरतों ने कत्ल किए हैं। मंडी के ठाकुर कर्म सिंह के नाम से इस राज्य की तासीर बदल जाती, गर उस दौर की सूझबूझ में हुक्मरान चुनने की बगावत होती। यह ठीक है कि वाईएस परमार हिमाचल के निर्माता के रूप में ऐसी शोहरत के पात्र हैं जो सदियों बाद भी इस राज्य की आत्मा में निवास करेगी, लेकिन यह भी सत्य है कि हिमाचल के बाद के विस्तार में उनकी भूमिका का कोई सूर्य नहीं। जिस हिमाचल को आज हम देखते हैं या जिस राजधानी शिमला में प्रदेश की बहुआयामी तस्वीर देखते हैं, वह हिस्सा कभी पंजाब से निकल कर हिमाचल में पहाड़ी दिल खोजता रहा। आज भी हिमाचल में तफतीश यही है कि इसका पहाड़ी दिल है कहां। क्या पहाड़ी नेताओं की बदौलत पंजाब के पहाड़ी क्षेत्र हिमाचल में मिले या उन्होंने पंजाबी सूबा बनाने के लिए हिमाचल का सियासी कोष बढ़ा दिया। हिमाचल पहले जिन बिस्वों व बीघों में पैमाइश करता था, वह अगर कनाल या हेक्टेयर में खुद को मापने लगा, तो उस भौगोलिक दौलत में सियासत ने खुद को कमजोर, खुदगर्ज और स्कीर्णता के स्वार्थों में पिरो लिया। युद्ध तो तब वाई एस परमार को भी लडऩा पड़ा, इसलिए जिलों की कांट छांट में इस सरहद पर आकर कुछ गिल्लियां उड़ाई गईं। तब राजनीति ने शिमला के मुकाम पर कांगड़ा की दूरी ही नहीं बढ़ाई, बल्कि मैदान के बालू को भी अलग-अलग तश्तरियों में बांट दिया। यही बालू अब हमीरपुर के नेतृत्व में सरकारों के बदन में कांगड़ा को डराता है। कभी धूमल सरकार ने डराए, तो अभी सुक्खू सरकार ने हाशिए की ओर सरका कर, लेकिन सत्य यह भी है कि वर्तमान सरकार के खिलाफ हुई राज्यसभा की वोटिंग का उफान उन्हीं क्षेत्रों में उठा, जिन्होंने कभी पंजाब से छिटक कर हिमाचल की ओर कदम बढ़ाए थे। अगर गिनती कर सकते हैं तो कर लें कि लाहुल-स्पीति, हमीरपुर व ऊना से अपनी ही सरकार के विरोध में पुराना कांगड़ा क्यों आजाद हुआ। हम यह तो नहीं कहते कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष को जिता कर बागी विधायकों को साधुवाद दिया जाए, लेकिन जनता की अदालत में उसी का जनादेश आज कसूरवार जरूर हुआ। ऐसा क्यों है कि पंजाब से हिमाचल में 'आन मिलो' कहते हुए अधिकांश नेता शहीद हो रहे हैं। क्यों मेजर विजय सिंह मनकोटिया, राजन सुशांत, किशन कपूर, विपिन सिंह परमार, रमेश धवाला व वीरेंद्र कंवर सरीखे नेताओं को परिदृश्य से हटाने से राजनीति ने विक्ट्री का चिन्ह बनाया। निचले हिमाचल या यूं कहें कि पंजाब से हिमाचल में जुड़े पर्वतीय क्षेत्रों से जब भी कोई मुख्यमंत्री बना, कुछ नेताओं के जनाजे उठाने का घटनाक्रम भी चला।

लखीमपुर सड़क हादसे में चार की मौत

लखीमपुर खीरी (हिंस)। जिले में नकहा क्षेत्र के चहमलपुर में रविवार दोपहर को रोडवेज बस और मैजिक की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। छह से अधिक घायल हैं। इन सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। शवों की पहचान की जा रही है। सीओ सदर रमेश तिवारी ने बताया कि मैजिक लखीमपुर से जा रहा था। रोडवेज बस धौरहरा क्षेत्र से आ रही थी। तभी नकहा क्षेत्र के चहमलपुर के पास दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की जान चली गई। जबकि छह से अधिक लोग घायल हैं। मौके पर भीषण जाम लग गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाम खुलवाया। मृतकों की पहचान की जा रही है।

यह चुनाव रामभक्तों पर गोली चलाने वाले और राम मंदिर बनाने वाले के बीच में है : शाह

पटन/भभुआ (हिंस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बिहार के काराकाट संसदीय सीट से राजग उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में चुनावी जनसभा करते हुए कहा कि लालू यादव से पूछता हूं कि 10 साल आपकी और सोनिया-मनमोहन की सरकार चली। आपने बिहार को केवल 02 लाख 80 हजार करोड़ दिया जबकि नरेंद्र मोदी ने 14 लाख 24 हजार करोड़ बिहार को विकास के लिए दिया। यह चुनाव रामभक्तों पर गोली चलाने वाले और राम मंदिर बनाने वाले के बीच में है। अमित शाह ने उपस्थित जनता से पूछा कि आप बताएं कि आपको रामभक्तों पर गोली चलाने वाले के साथ रहना है या राममंदिर बनाने वाले के साथ रहना है। मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मतलब है देश को विश्व में तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनाना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि पाकिस्तान के पास एटम बम है, उससे पीओके मत मांगों। मैं आज यहां से राहुल गांधी को कहना चाहता हूं पीओके भारत का है, रहेगा और हम उसको लेकर रहेंगे। अमित शाह ने कहा कि बिहार की जनता यह समझ चुकी है कि परिवारवादी गठबंधन कभी भी प्रदेश का विकास नहीं कर सकता। काराकाट की सभा का यह उत्साह भरा माहौल बिहार में राजग की रिकॉर्ड विजय का साफ संदेश दे रहा है। राममंदिर का मुद्दा उठाकर अमित शाह ने कहा कि 70 साल तक लालू यादव और कांग्रेस ने मुद्दे को रोक कर रखा। आपने मोदी को प्रधानमंत्री बनाया और उन्होंने मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा करके जय श्री राम कर दिया।

लालू-नीतीश के 34 वर्षों के शासनकाल में कोई काम नहीं हुआ : रमेश कुमार चंद्रवंशी

बिहारशरीफ (हिंस)। नालंदा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से नबी भारतीय एकता पार्टी के उम्मीदवार रमेश कुमार चंद्रवंशी ने कहा की बिहार में 34 वर्षों तक लालू-नीतीश ने शासन किया, परंतु एक भी कल कारखाने खोलने का कार्य नहीं किया। जिसके कारण यहां के लोग जीविको उपार्जन के लिए अपने परिवार को छोड़कर दूसरे राज्यों में कार्य करने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास सबसे ज्यादा शिक्षा पर है। वर्तमान सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चौपट कर दिया है। आज विद्यालयों में पढ़ाई के बजाय सिर्फ खाना दिया जा रहा है। जिसके कारण पढ़ाई का नामोनिशान मिट गया है तथा शिक्षा सिर्फ किताबों में सिमट कर रह गई है। चंद्रवंशी ने कहा कि नवयुवक पढ़ लिखकर बेरोजगार हो गए हैं। नौकरी के लिए लाले पड़े हैं, हम जीतते ही नालंदा के 25000 पढ़ें लिखे लोगों को नौकरियां देने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी की सरकार बनते ही नालंदा में किसानों के लिए गन्ना मिल खोला जाएगा। जिसमें 20-25 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। किसानों को गन्ना उत्पादन का अधिक मूल्य मिलेगा और उनका जीवन खुशहाल बनेगा। उन्होंने कहा कि घोसरावां गांव के पूरव साइड में सकरी नदी है, सकरी नदी में कई बार लोगों द्वारा केंद्र व राज्य सरकार को ध्यान दिलाने हेतु पत्र लिखा गया परंतु आज तक छिल्का बनाने का प्रस्ताव नहीं आया है।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने संबंधी सीईसी का बयान स्वागत योग्य : मंजीत सिंह

विजयपुर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के बयान का स्वागत करते हुए अपनी पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री मंजीत सिंह ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव के लिए तैयार होने और विजयपुर ब्लॉक में जमीनी स्तर पर अपनी जड़ें मजबूत करने को कहा। यह समीक्षा पूर्व मंत्री ने विजयपुर प्रखंड के चक बागला गांव में बैठक के दौरान की। इस बैठक में प्रतिभागियों ने घर-घर अभियान और लोगों को जम्मू-कश्मीर में अपनी पार्टी के समान विकास, शांति और स्थिरता के एजेंडे के बारे में शिक्षित करने के विस्तृत कार्यक्रम साझा किए। पूर्व मंत्री मंजीत सिंह ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार द्वारा दिया गया यह एक स्वागत योग्य बयान है कि भारत का चुनाव आयोग मतदाताओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के बाद जल्द ही जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि सीईसी के बयान से पता चलता है कि चुनाव आयोग जम्मू-कश्मीर में पिछले कई वर्षों से लंबित चुनाव कराने का इच्छुक है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से लोगों के पास कोई निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं है और इसलिए उनके मुद्दों को संबोधित करने और लोकतांत्रिक प्रणाली में उनका विश्वास बहाल करने के लिए उन्हें लोकतांत्रिक आवाज देना महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि आयोग के लिए जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराना जरूरी हो जाता है क्योंकि लोगों का नौकरशाही व्यवस्था से भरोसा उठ गया है जो किसी की नहीं सुनती। नौकरशाही ने जम्मू और कश्मीर के लोगों के अधिकार छीनने वाले शराब माफिया और खनन माफिया को प्रोत्साहित किया है। प्रभावशाली माफिया तंत्र को कानून के अनुसार संभालने की जरूरत है और अपनी पार्टी स्थानीय निवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि रोजगार के मामले में जम्मू-कश्मीर के गिरते ग्राफ को सुधारने के लिए पार्टी अपने-अपने क्षेत्रों और औद्योगिक क्षेत्र में स्थानीय ठेकेदारों की भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने विकास की धीमी गति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम सरकारी सेवाओं में भर्ती के लिए रिक्त पदों का विज्ञापन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने और लोगों को पार्टी की नीति और कार्यक्रमों के बारे में शिक्षित करने के लिए कहा जिन्हें पार्टी द्वारा जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने पर लागू किया जाएगा।

कांग्रेस व सपा का घोषणा पत्र पाकिस्तान परस्त : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व सपा गठबंधन विरासत टैक्स लगाने की बात करता है। यह टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है। संपत्ति का सर्वे कराकर यह लोग पुश्तैनी प्रॉपर्टी जबर्दस्ती ले लेंगे, फिर उसे घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों को दे देंगे। इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। हम भारत में किसी को जजिया कर नहीं देने देंगे। इनका घोषणा पत्र अल्पसंख्यकों को मनमर्जी के हिसाब से खानपान की स्वतंत्रता देता है। हम गोमांस खाने की छूट नहीं देंगे। इन गो हत्यारों को वोट देने से राम मंदिर का मिला पुण्य पाप में बदल जाएगा। चंदौली लोकसभा सीट के चुनाव प्रचार में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी कच्चा बाबा इंटर कॉलेज शिवपुर में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस-सपा के लोग सुरक्षा, विकास, गरीब कल्याण नहीं कर सकते। अयोध्या में राम मंदिर और काशी में विश्वनाथ धाम का निर्माण नहीं कर सकते। आराध्यों के पवित्र स्थलों का सुंदरीकरण भी नहीं कर सकते, तो इन समस्याओं को सिर पर ढोने की आवश्यकता नहीं है। सपा और कांग्रेस समस्या हैं। इनके गठबंधन का मतलब आतंकवाद को आमंत्रित करना। इनको वोट देने का मतलब माफियाराज को हावी करना, हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़, गरीबों के हकों में डकैती और विकास कार्यों में बैरियर लगाना। हमें बाधाएं दूर करके भाजपा को फिर लाना है, क्योंकि दस वर्ष में भाजपा ने इस कार्य को बखूबी किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक बार फिर मोदी सरकार बनने जा रही है। अबकी बार 400 पार में फिर से चंदौली भी है। नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दस वर्ष में भारत का सम्मान बढ़ा है। आतंकवाद-नक्सलवाद समाप्त हुआ है। गरीबों को फ्री में राशन, अन्नदाताओं को किसान सम्मान निधि, पांच लाख रुपए की स्वास्थ्य बीमा का कवर, पीएम आवास योजना का लाभ मिला। मोदी हैं तो विकास, गरीब कल्याण, सुरक्षा, सम्मान और भारत के विरासत का संरक्षण है। काशी में काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर, विंध्यवासिनी धाम में कॉरिडोर, मारकंडेय धाम भी भव्यता हमें आकर्षित कर रही है। कच्चा बाबा के सैकड़ों वर्ष पुरानी समाधि का स्वरूप भी अब भव्य हो गया है। जो समाज विरासत पर गौरव की अनुभूति करता है, दुनिया की कोई ताकत उसे झुका या परास्त नहीं कर सकती। भाजपा ने विरासत के संरक्षण का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वॉटरवे का लाभ भी काशी और चंदौलीवासियों को प्राप्त हो रहा है। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने भगवान बुद्ध के उपदेश की भूमि सारनाथ के सुंदरीकरण, संत कबीर दास के लहरतारा को भव्य स्वरूप और संत रविदास की जन्मभूमि सीर गोवर्धन को दिव्य-भव्य रूप दिया है। काशी के मंदिरों, घाटों, विकास को देख सबकी आंखें चकरा जाती हैं। लोग आश्चर्य करते हैं कि यह वही काशी है, जो दस साल पहले थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी व चंदौली में विकास बुलेट की स्पीड से आता दिख रहा है। हमारी सरकार बाबा कीनाराम की जन्मभूमि पर उनके मंदिर को दिव्य-भव्य रूप देने के लिए कार्य करा रही है। समाजवादी पार्टी व कांग्रेस का गठबंधन अनर्थकारी है।

आईएनडीआई गठबंधन घोटालेबाजों का गठजोड़ आधे नेता जेल में तो आधे बेल पर : जेपी नड्डा

पटना (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को जहानाबाद में एनडीए प्रत्याशी चंदेश्वर चंद्रवंशी के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए राजद और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में देश में बहुत तरह के सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं, जिसे आप सब भी महसूस कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि 10 साल पहले जाति, धर्म, तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति होती थी। आज मोदी के नेतृत्व में विकासवाद और रिपोर्ट कार्ड की राजनीति हो रही है। मोदी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र दिया है। उन्होंने आईएनडीआई गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि आईएनडीआई गठबंधन के आधे नेता जेल में और बाकी बचे नेता बेल पर हैं। बिहार में लालू यादव ने चारा घोटाला किया। नौकरी के बदले जमीन घोटाला किया। बंगाल में टीएमसी मंत्री के घर से कैश बरामद हुआ। शिक्षक भर्ती घोटाला हुआ। बचे केजरीवाल तो उन्होंने शराब और दवा घोटाला कर बैठा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड में सरकार के मंत्री के पीएस के नौकर के घर से रुपए बरामद हुए। कांग्रेस ने चावल, चीनी, कोयला और अगस्ता वेस्ट लैंड घोटाला के साथ टू जी तथा थ्री जी घोटाला किया। आईएनडीआई गठबंधन घोटालेबाजों का गठजोड़ है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, लालू यादव, संजय सिंह, पी चिंदबर और उनके बेटे बेल पर हैं जबकि आम आदमी पार्टी और टीएमसी के नेता जेल में हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि आईएनडीआई गठबंधन में परिवारवादियों का जमावड़ा है। ये सब दलितों और आदिवासियों का आरक्षण हटाकर मुस्लिमों को आरक्षण दिलाने की मंशा रखते हैं लेकिन संविधान के अनुसार धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं मिल सकता। आरक्षण तो सामाजिक समानता के आधार में मिलता है। जब तक मोदी की सरकार है आईएनडीआई गठबंधन के मंसूबे कभी पूरे नहीं हो सकते। क्योंकि, मोदी के रहते आरक्षण कभी खत्म नहीं हो सकता।

सूरज ले रहा लोगों की अग्नि परीक्षा हीटवेव से 31 मरीज सामने आए

बाड़मेर (हिंस)। दुनिया के सबसे गर्म 3 शहरों में शामिल बाड़मेर में सूरज लोगों की अग्नि परीक्षा ले रहा है। लू और गर्मी से शहरवासियों का हाल बेहाल है। दोपहर 3 बजे पारा 47 डिग्री के पास पहुंच गया। रविवार को नौतपा का दूसरा दिन है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिन पारा 48 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। साथ ही 29 मई तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। बाड़मेर सीएमएचओ संजीव मित्तल ने बताया- गर्मी को देखते हुए कंट्रोल रूम बनाया गया है। स्वास्थ्य विभाग हर परिस्थिति में तैयार है। 25 मई तक जिले में हीटवेव के 31 मरीज सामने आए हैं। फिलहाल बाड़मेर में किसी की भी मौत नहीं हुई है। बाड़मेर हॉस्पिटल एक मरीज भर्ती है। रोजना रिपोर्ट बनाई जाई जा रही है। अब उम्मीद करते हैं कि हिटवेव से किसी की मौत होने नहीं देंगे। हीटवेव से बचने के लिए पानी ज्यादा पीएं और खाली पेट नहीं निकलें। सुबह 11 बजे के बाद जरूरी नहीं हो तो बाहर नहीं निकलें। ज्यादा जरूरत हो तो शरीर को पूरा ढक कर ही निकलें। भीषण गर्मी व पेयजल की किल्लत को लेकर अभावग्रस्त गांवों में रविवार को पचपदरा विधायक अरुण चौधरी ने पेयजल टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विधायक ने कहा कि राजस्थान सरकार के जलदाय विभाग द्वारा निशुल्क पेयजल टैंकरों से आपूर्ति की शुरुआत की गई है। जरूरत पढ़ने पर सरपंच, पंचायत समिति सदस्य व जनप्रतिनिधियों के मार्फत कल्याणपुर जलदाय विभाग कार्यालय में संपर्क कर अपनी मांग रख सकेंगे। जलदाय विभाग द्वारा तुरन्त पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। बाड़मेर पुलिस ने मुख्य सर्किलों पर ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक पुलिस के जवानों को छाते दिए गए।

सदर अस्पताल परिसर में असम के व्यक्ति का लटका मिला शव

किशनगंज (हिंस)। सदर अस्पताल परिसर के लेबर वार्ड जाने वाले रास्ते में असम के एक युवक का फांसी पर लटका शव रविवार को मिला। शव अस्पताल के बेड में बिछाए जाने वाले चादर के सहारे लटका हुआ था। मृतक असम निवासी तपन साहा है। अस्पताल कर्मी की नजर लटकते हुए शव पर पड़ी, तब जाकर अस्पताल में डियूटी पर तैनात चिकित्सक को घटना की सूचना दी गई। इसके बाद शव को नीचे उतारा गया और जांच की गई तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना सदर थाना की पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार, प्रोबेसनर अवर निरीक्षक रवि शंकर कुमार, अंकित सिंह पुलिस टीम के साथ सदर अस्पताल पहुंचे।

अपने परिवार का कुनबा बचाने के लिए चुनाव लड़ रही सपा : मोदी

गोरखपुर (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देवरिया और बांसगांव लोकसभा क्षेत्रों की संयुक्त जनसभा में सपा पर करारा हमला बोला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सपा अपने परिवार का कुनबा बचाने के लिए चुनाव लड़ रही है। इन्हें केवल परिवार की ही चिंता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी जमात वालों ने वोटबैंक के लिए राम मंदिर को ठुकरा दिया। सपा वाले राम मंदिर को अपवित्र कहते हैं। इसलिए राम को गाली देने वालों को एक भी सीट पूर्वांचल में नहीं मिलनी चाहिए। मोदी ने बांसगांव में आयोजिन जनसभा में कहा कि छठे चरण के मतदान ने इंडी गठबंधन के छक्के छुड़ा दिए हैं, अब सातवें चरण में इंडी वालों पर पूर्वांचल का प्रहार होगा और पूर्वांचल का प्रहार जिस पर हुआ, वो मैदान से बाहर जाकर गिरता है। इंडी जमात कह रही है, हम आएंगे तो जम्मू-कश्मीर में फिर से 370 लगाएंगे, ये शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देने वाले कानून सीएए को रद्द करेंगे। यही तो भारत विरोधी ताकतें भी चाहती हैं, फिर इंडी वाले यही क्यों चाहते हैं? प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब यूपी में ब्रह्मोस मिसाइल बना करेगी और ब्रह्मोस मिसाइल ऐसी है, जिसका खौफ दूर-दूर तक है। दुनिया के कई देशों में ब्रह्मोस मिसाइल की मांग रही है, लेकिन कांग्रेस ने उनके सामने भी रोड़े अटकाए। इंडी वाले चाहते हैं, भारत रक्षा क्षेत्र में न आत्मनिर्भर बने और न ही भारत में हथियार एक्सपोर्ट करने की क्षमता पैदा हो। ये इंडी वाले चाहते हैं कि विदेशी हथियारों की डील होती रहे और इनकी दलाली आती रहे। पिछली सरकारों के शासन में यहां किसानों का बहुत नुकसान हुआ, अधिकांश चीनी मिले बंद हो गईं, किसानों ने गन्ने की खेती करना बंद कर दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस व सपा का तुष्टीकरण घातक है। कुछ ताकतें ऐसी भी हैं, जिन्हें भारत की प्रगति से पेट में दर्द हो रहा है। ये लोग 4 जून को लेकर अलग ही सपने देख रहे हैं। पाकिस्तान में सपा-कांग्रेस के इंडी गठबंधन के लिए दुआ पढ़ी जा रही है। सीमा पार से जिहादी उन्हें समर्थन दे रहे हैं। यहां सपा-कांग्रेस वाले वोट जिहाद की अपील कर रहे हैं। इनका मुद्दा देश का विकास नहीं, ये भारत को कई दशक पीछे ले जाना चाहते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने कहा कि हमारी सरकार सपा के ये गड्ढे भी भर रही है। चार जून, ये तारीख भारत का भविष्य तय करने जा रही है। अमृतकाल के संकल्प, विकसित भारत का निर्माण, 140 करोड़ सपने... 4 जून को देश एक नई उड़ान के लिए पंख फैलाएगा। इसलिए करोड़ों लोग 4 जून का इंतजार कर रहे हैं।

गायत्री परिवार 29 मई को मुरादाबाद में कराएगा 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ

मुरादाबाद (हिंस)। युग शक्ति गायत्री चेतना केंद्र गायत्री परिवार ट्रस्ट की बैठक रविवार को आवास विकास सिविल लाइन स्थित ट्रस्ट कार्यालय पर संपन्न हुई, जिसमें बताया गया कि 29 मई को 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ शिर्डी साईं पब्लिक स्कूल अगवानपुर स्थित कैरवी रिसोर्ट में किया जायेगा। 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में जन जागृति हेतु शांतिकुंज हरिद्वार की वरिष्ठ टोली आएगी। बैठक में महायज्ञ की तैयारियों को लेकर जिम्मेदारी सौंपी गई। गायत्री परिवार ट्रस्ट की संतोष नारंग ने बताया कि 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के अंतर्गत व्यसन मुक्ति, नारी जागरण, स्वास्थ्य संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति- जनकल्याण एवं जन जागृति एवं विशेष संस्कार जिसमें जन्मदिवस संस्कार, विवाह दिवस संस्कार, दीक्षा संस्कार, विद्या आरंभ संस्कार, नामकरण संस्कार, अन्य प्रशान संस्कार, पुंसवन संस्कार हेतु महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में संतोष नारंग, मीनू विज, पूनम चौधरी, प्रेम प्रकाश कपूर, अंकित अग्रवाल, देवेश भारद्वाज, राजीव गुप्ता, हरीश वर्मा, बबीता कुशवाहा, आशा मल्होत्रा, गायत्री शर्मा, सुधा अग्रवाल, इन्दु बिश्नोई आदि युग शक्ति गायत्री चेतना परिवार ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल रहे।

मोदी की गारंटी पर लोगों को विश्वास, तीसरी बार मोदी बनेंगे प्रधानमंत्री : जयशंकर

वाराणसी (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि विकसित भारत की बात करते हुए देश अगर आगे बढ़ रहा है तो इसमें शिक्षकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। शिक्षक आने वाली पीढ़ी को शिक्षित करते हैं। दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी आए जयशंकर रविवार को शिक्षा के साथ सशक्तीकरण : बेहतर कल के लिए शिक्षण विषयक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पूर्वांचल स्कूल ऑफ वेलफेयर एसोसियेशन की पहल पर सनबीम वरुणा में आयोजित कार्यक्रम में जयशंकर ने देश में शिक्षकों की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज मोदी सरकार के चलते भारत देश की प्रतिष्ठा विदेशों में काफी बड़ी है। यह गर्व की बात है। भारत की विदेश नीति भी चर्चा में है। कार्यक्रम के बाद विदेश मंत्री ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि बेहतर कल के लिए शिक्षा-शिक्षण के साथ सशक्तीकरण विषय पर वाराणसी के शिक्षकों और छात्रों के साथ बातचीत करके खुशी हुई। प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण के युग के लिए शिक्षा में दृढ़ता से विश्वास करें। तकनीकी युग और वैश्विक कार्यस्थल को सर्वोत्तम बनाने के लिए पिछले दशक में उठाए गए कई कदमों को रेखांकित किया। साथ ही, हम अपनी परंपराओं और सभ्यतागत विरासत पर भी ध्यान दे रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से जयशंकर ने कहा कि तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। भाजपा के नेतृत्व में एनडीए पूर्ण बहुमत के आंकड़े को पार कर चुका है। हम 400 पार पहुंचने जा रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि मोदी-3 सबको 4 जून को देखने को मिलेगा। यह पूरे देश ने तय कर लिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी पर लोगों को विश्वास है। एक बार फिर बनारस देश को नेतृत्व देने वाले नेता को जीत के मार्ग पर आगे बढ़ाएगा। बनारस का योगदान और लीडरशीप पूरे देश में दिखाई देगा। पिछले 10 सालों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की जो प्रतिष्ठा बढ़ी है, उसे जनता जानती है कि ये प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के कारण ही संभव हो पाया है।

जेईई एडवांस के लिए पहली पारी की परीक्षा शुरू

जयपुर (हिंस)। आईआईटी और देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए जेईई-एडवांस परीक्षा रविवार को दो पारियों में सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2.30 से शाम 5. 30 बजे तक होगी। पहली पारी का एग्जाम सुबह नौ बजे शुरू हो चुका है। सात बजे से परीक्षा केंद्रों पर रिपोर्टिंग शुरू हो गई थी। दोनों परीक्षाओं के बीच दो घंटे का ब्रेक मिलेगा। कड़ी चैकिंग के बाद परीक्षार्थियों को सेंटर में प्रवेश दिया गया। प्रदेश में दस शहरों में यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। कोटा में दो सेंटर पर परीक्षा का आयोजन हो रहा है। कोटा के अलावा अजमेर, अलवर, भीलवाडा, बीकानेर, हनुमानगढ़, जयपुर, जोधपुर और सीकर, उदयपुर में एग्जाम आयोजित किया जा रहा है। स्टूडेंट्स को पेपर-1 के लिए कंप्यूटर व परीक्षा डेस्क 8.30 पर अलॉट किया गया। परीक्षा शुरू होने से 25 मिनट पहले विद्यार्थी अपने कंप्यूटर पर जेईई-एडवांस्ड का रोल नं. एवं जन्म दिनांक डालकर लॉगइन कर इंस्ट्रक्शंस पड़ सके। जेईई-एडवांस्ड परीक्षा का कभी भी परीक्षा पैटर्न एवं मार्किंग स्कीम पहले से निर्धारित नहीं होते हैं। इसलिए कंप्यूटर पर दिए दिशा निर्देश पढ़ना जरूरी है। परीक्षा के बाद 31 मई को रेस्पांस जारी किया जाएगा। प्रोविजनल आंसर की दो जून को जारी की जाएगी, जिसके बाद आपत्तियां भी दो से तीन जून तक ली जाएगी। फाइनल आंसर-की नौ जून को जारी होगी। सफल विद्यार्थियों की श्रेणी-वार ऑल इंडिया रैंक जारी होगी। साथ ही विद्यार्थियों को मोबाइल से भी मैसेज भिजवाए जाएंगे। व्यक्तिगत रैंक कार्ड जारी नहीं होंगे। देशभर की 23 आईआईटी में 17 हजार 385 सीटें हैं। इनके लिए 1 लाख 91 हजार से अधिक स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है। परीक्षा में छात्र-छात्राओं का अनुपात 65 एवं 35 फीसदी रहता है। छात्रों के मुकाबले छात्राओं की आईआईटी में सीट मिलने की संभावना रहती है। परीक्षा देश के 222 शहरों में होगी।

नक्सलियों ने पिता-पुत्र को मौत के घाट उतारा

चतरा (हिंस)। जिले के कुंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत घोर नक्सल प्रभावित हिंदियाकला गांव में हथियारबंद नक्सलियों ने शनिवार की रात घेराबंदी कर पिता-पुत्र को मौत के घाट उतार दिया। इस दोहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई है। बताया जाता है कि एक माह पूर्व 15 अप्रैल को पिता-पुत्र ने हथियार के साथ एक नक्सली को पुलिस के हवाले किया था। इस प्रतिशोध में नक्सलियों ने घटना को अंजाम दिया है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर भारी संख्या में सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर रवाना कर दिया गया है।

वैश्विक रुख और कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

कच्चे तेल के दाम और रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

नई दिल्ली।
चुनाव और तिमाही परिणामों का सीजन अब समाप्ति की ओर है, ऐसे में इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में कुछ मजबूती देखने को मिल सकती है। हालांकि, इसके साथ ही बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव भी देखने को मिलेगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। पिछले सप्ताह बाजार में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली थी। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों का निपटान है। इससे भी बाजार में उतार-चढ़ाव आ सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि चौथी तिमाही के नतीजे अब समाप्ति की ओर हैं। इस सप्ताह टाटा स्टील सहित कई कंपनियां अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। कंपनियों के बेहतर नतीजों से बाजार की रफ्तार को कायम रखने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा चार जून को होगी। चुनावी नतीजों से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह को बल मिल सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर जापान और अमेरिका के आगामी आर्थिक आंकड़ों के साथ-साथ वैश्विक मुद्रा बाजार में हलचल भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगी। इस सप्ताह बाजार की नजर आम चुनाव, वैश्विक रुझान और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान एलआईसी, एनएमडीसी, आईआरसीटीसी और एमएमटीसी अपने मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। कुल मिलाकर बाजार के जानकारों को उम्मीद है कि बाजार में धीरे-धीरे तेजी आएगी। मार्च तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े जारी किए जाएंगे। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,404.45 अंक के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 455.1 अंक चढ़ गया। सेंसेक्स 75,636.50 अंक के अपने दिन में कारोबार के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा। निफ्टी ने उसी दिन पहली बार 23,000 अंक का आंकड़ा पार किया। दिन में कारोबार के दौरान यह 23,026.40 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया।

न्यूज ब्रीफ

देश के कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव, ब्रेंट क्रूड 82.12 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 77.72 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.12 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। महाराष्ट्र में पेट्रोल और डीजल 28 पैसे महंगा हो गया है। पंजाब में पेट्रोल 21 पैसे और डीजल 24 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा राजस्थान, झारखण्ड और हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 23 और डीजल 27 पैसे सस्ता हो गया है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत में 54 पैसे और डीजल में 51 पैसे की गिरावट है। कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और ओडिशा में भी पेट्रोल की कीमत में हल्की गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.88 रुपये और डीजल 92.47 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.78 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.70 रुपये और डीजल 92.53 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

इस सप्ताह 24 भारतीय स्टार्टअप्स ने 444 मिलियन डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। लगभग 24 भारतीय स्टार्टअप्स ने इस सप्ताह लगभग 444 मिलियन डॉलर जुटाए। इंट्राकर की रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआती चरण के दो स्टार्टअप ने जुटाई गई राशि का खुलासा नहीं किया। पिछले सप्ताह, लगभग 26 स्टार्टअप ने सामूहिक रूप से लगभग 240 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की थी। विकास-चरण सौदों के बीच, सात स्टार्टअप्स ने इस सप्ताह लगभग 394.21 मिलियन डॉलर का फंड हासिल किया। ई-कॉमर्स प्रमुख फ्लिपकार्ट ने सबसे अधिक गूगल से 350 मिलियन डॉलर प्राप्त किया। इसके बाद वित्तीय सेवा मंच नवी ने 18 मिलियन डॉलर का कर्ज हासिल किया । अन्य स्टार्टअप जैसे आवास प्रदाता स्टैन्ज़ा लिविंग, ग्रामीण वित्तीय सेवा फर्म सेव सॉल्यूशन, और सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित केजीएफएस ने भी सप्ताह के दौरान धन जुटाया। इसके अलावा, 14 शुरुआती चरण के स्टार्टअप ने 49.6 मिलियन डॉलर जुटाए। एसएएएस (सॉफ्टवेयर-ए-ए-सर्विस) स्टार्टअप यूनिफाईऐप्स इस सूची में सबसे ऊपर है। इसके बाद सौर ऊर्जा प्लेटफॉर्म सोलियोज सोलर एनर्जी, एनबीएफसीवर्थाना और उच्च गुणवत्ता वाले सिंगल-वॉल कार्बन नैनोट्यूब के निर्माता एनओपीओ नैनोटेक्नोलॉजीज हैं। प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप की सूची में - कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क, 8चिली, एग्रीइलेक्ट्रिक, फिक्स माई कर्ल्स और इनफिनक्स भी शामिल हैं। इन्होंने जुटाई गई राशि का खुलासा नहीं किया। शहर-वार, बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप 14 सौदों के साथ आगे रहे। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद, अहमदाबाद, लुधियाना और चेन्नई का स्थान रहा।

गो फर्स्ट को बड़ा झटका! दिवालिया एयरलाइन को खरीदने से पीछे हटे ईजीट्रिप के मालिक

नई दिल्ली। ईजीट्रिप दिवालिया हो चुकी एयरलाइन गो फर्स्ट को खरीदने की दौड़ से पीछे हट गई है। कंपनी के फाउंडर निशांत पिट्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट लिखकर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कंपनी अब अपने मुख्य बिजनेस को अधिक मजूबत बनाने पर फोकस कर रही है। पिट्टी ने कहा, हम अपना फोकस मुख्य क्षेत्रों पर फोकस बढ़ाने के लिए करेंगे। इसलिए हमने गोएयर की बोली से हटने का फैसला किया है। हमारा प्लान अपनी एक्सपर्टाइज और रिसोर्सेज का इस्तेमाल करके टिकाऊ ग्रोथ और कामयाबी हासिल करना है। इससे पहले रिपोर्ट आई थी कि ईजीमायट्रिप के सीईओ निशांत पिट्टी ने गोफर्स्ट एयरलाइन खरीदने के लिए स्पाइसजेट के चेयरमैन और एमडी अजय सिंह से हाथ मिलाया है। पिट्टी ने अपनी दूसरी कंपनी बिजी बी एयरवेज के जरिए अजय सिंह के साथ मिलकर संयुक्त बोली लगाई थी। स्पाइसजेट के सीएमडी अजय सिंह का मानना था कि दिवालिया हो चुकी गो फर्स्ट में अपार संभावनाएं हैं और यह स्पाइसजेट के साथ मिलकर भारतीय एविएशन सेक्टर पर राज कर सकती है। इससे दोनों एयरलाइंस को फायदा होगा। अजय सिंह के मुताबिक, गो फर्स्ट के पास डोमेस्टिक और इंटरनेशनल एयरपोर्ट अहम स्लॉट हैं। उसके पास इंटरनेशनल ट्रैफिक राइट्स हैं।

एलन मस्क नहीं बन पाएंगे सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सीईओ

नई दिल्ली।
अरबपति कारोबारी और टेस्ला के मालिक एलन मस्क काफी वक्त दुनिया के सबसे अमीर शख्स रहे। लेकिन, पिछले कुछ समय से उनके लिए मुश्किलें काफी बढ़ी हैं। इसमें टेस्ला के निवेश और घटती बिक्री के साथ मस्क की निजी जिंदगी से जुड़े विवाद भी शामिल हैं। इस लिस्ट में एक और इजाफा हो सकता है और उसका संबंध बतौर टेस्ला सीईओ मस्क को मिलने वाले प्रस्तावित पैकेज से जुड़ा है। दरअसल, प्रॉक्सी कंसल्टेंट फर्म ग्लास लुईस का कहना है कि उसने उसने टेस्ला के शेयरधारकों से मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन मस्क के लिए 56 अरब डॉलर के वेतन पैकेज को अस्वीकार करने का आग्रह किया है। यह प्रस्ताव अगर पास होता है, तो मस्क कॉर्पोरेट अमेरिका में सबसे अधिक वेतन पाने वाले सीईओ बन जाएंगे। प्रॉक्सी कंसल्टेंट का काम लिस्टेड कंपनियों के शेयरहोल्डर्स को सालाना मीटिंग या खास प्रस्तावों पर वोटिंग की सलाह देना होता है।

मस्क के पैकेज से क्या दिक्कत है

ग्लास लुईस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मस्क का प्रस्तावित काफी अधिक है। इसमें कंपनी का कोई लाभ भी नहीं है। साथ ही, इससे टेस्ला के एकाधिकार पर मस्क की पकड़ मजबूत होने की आशंका रहेगी। प्रॉक्सी कंसल्टेंट ने यह भी कहा कि अब मस्क का कई दूसरे प्रोजेक्ट में भी ज्यादा समय लगने लगा है। इसमें ट्विटर की खरीद भी शामिल है, जिसे अब एक्स के रूप में जाना जाता है। मार्केट वैल्यू के साथ बढ़ेगा पैकेज मस्क के नए सैलरी पैकेज का प्रस्ताव टेस्ला के निदेशक मंडल ने रखा है। हालांकि, इस बात के लिए मस्क की आलोचना भी हो रही कि बोर्ड के साथ ज्यादा घनिष्ठ संबंध के चलते उन्हें यह पैकेज मिल रहा। इसमें कोई फिक्स्ड वेतन या नकद बोनस शामिल नहीं है।

इसके बजाय 2018 से शुरू होने वाले 10 साल की अवधि में टेस्ला की मार्केट वैल्यू में जितना इजाफा होगा, मस्क को उतना ही अधिक इनाम मिलेगा। टेस्ला की मौजूदा मार्केट वैल्यू करीब 571.6 अरब डॉलर है और मस्क के पैकेज वाली अवधि में इसके 650 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

क्या कह रही है टेस्ला

प्रॉक्सी सलाहकार की सिफारिश के बावजूद टेस्ला ने शेयरधारकों को मुआवजा पैकेज के लिए अपनी मंजूरी देने की अपील की है। टेस्ला के बोर्ड के अध्यक्ष रॉबिन डेनहोम ने वेतन पैकेज का बचाव किया है। उनका कहना है कि टेस्ला का रेवेन्यू और शेयरों का मूल्य जिस हिसाब से बढ़ा है, मस्क उसका इनाम पाने के हकदार हैं।

टेस्ला को घाटे से मुनाफे में लाए मस्क

मस्क 2008 से टेस्ला के सीईओ हैं। उन्होंने कंपनी को घाटे से लाभ में लाने में अहम भूमिका निभाई है। एक ऑनलाइन कैंपेन वेबसाइट वोट टेस्ला के अनुसार, कंपनी 2018 में 2.2 अरब डॉलर के घाटे से 15 अरब डॉलर के मुनाफे में आ गई है। साथ ही, गाड़ी उत्पादन में सात गुना इजाफा भी हुआ है।

वहीं, ग्लास लुईस ने मस्क के वेतन पैकेज के साथ ही उनके भाई और बोर्ड के सदस्य किम्बल मस्क के फिर से चुनाव के खिलाफ वोट करने की भी सलाह दी है। हालांकि, उसने पूर्व सीईओ जेम्स मर्डोक को फिर से चुने जाने की सिफारिश की है।

व्हाट्सएप यूजर्स का डेटा हर रात करता है एक्सपोर्ट : एलन मस्क

नई दिल्ली। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप पर यूजर्स का डेटा एक्सपोर्ट करने का आरोप लगाया है। बता दें, एक एक्स यूजर्स की ओर से पोस्ट में कहा गया कि व्हाट्सएप हर रात यूजर्स के डेटा को एक्सपोर्ट करता है और विज्ञापन के लिए टारगेट ऑडियंस सेट करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। उन्होंने यूजर्स को कंज्यूमर नहीं, बल्कि एक प्रोडक्ट बना दिया है। मस्क ने कहा कि व्हाट्सएप हर रात अपने यूजर्स का डेटा एक्सपोर्ट करता है। हालांकि लोग सोचते हैं कि ये एक सुरक्षित माध्यम है। मेटा और व्हाट्सएप की ओर से फिलहाल इस पर कोई कमेंट नहीं किया गया है। कंप्यूटर प्रोग्रामर और वीडियो गेम डेवलपर, जॉन कारमैक ने मस्क के जवाब को लेकर सोशल मीडिया पर पूछा कि क्या आपके पास कोई सबूत है कि मैसेज को स्कैन और ट्रांसमिट किया जा रहा है। कारमैक की ओर से एक्स पर पोस्ट किया गया कि मेरा मानना है कि यूसेज पैटर्न और मेटा डेटा का संग्रह किया जाता है। अगर आप बातचीत में बॉट को इसमें लाते हैं तो आप निश्चित ही इस मुद्दे को हवा दे रहे हैं, लेकिन मै अभी भी मानता हूं कि मैसेज कंटेंट पूरी तरह से सुरक्षित है। मस्क की ओर से मार्क जुकरबर्ग की कंपनी मेटा पर पहले भी कई आरोप लगाए गए हैं। इस महीने की शुरुआत में अरबपति टेक कारोबारी ने मेटा को लेकर कहा था कि वह विज्ञापन का श्रेय लेने को लेकर काफी लालची है। बता दें, मस्क और जुकरबर्ग लंबे समय से एक-दूसरे के कड़े प्रतिद्वंदी माने जाते हैं और दोनों की कंपनियां ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चलाती हैं। कुछ समय पहले मस्क ने जुकरबर्ग को केज फाइट की भी चुनौती दी थी। इसे शताब्दी की सबसे बड़ी लड़ाई बताया था, लेकिन ये कभी हुई नहीं।

नजारा टेक को चौथी तिमाही में हुआ 17 करोड़ का मुनाफा आय 8 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली।
गेमिंग और स्पोर्ट्स मीडिया प्लेटफॉर्म कंपनी नजारा टेक्नोलॉजीज की ओर से वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए गए। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही में 17.1 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। यह वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में हुए मुनाफे 11.9 करोड़ रुपये से 43.6 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में जनवरी-मार्च की अवधि में कंपनी की आय 266.2 करोड़ रुपये रही है। सालाना आधार में इसमें 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। यह वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में 289.3 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 21.8 प्रतिशत बढ़कर 74.9 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि इससे पिछले वित्त वर्ष में 61.4 करोड़ रुपये था। इस दौरान आय 4.3 प्रतिशत बढ़कर 1,138 करोड़ हो गई, जो कि वित्त वर्ष 2022-23 में 1,091 करोड़ रुपये थी। नजारा टेक्नोलॉजीज के संस्थापक, सीईओ और संयुक्त प्रबंधक, नितीश मित्तरसैन ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 तेज वृद्धि के लिए मजबूत फाउंडेशन ईयर के तौर पर कार्य करेगा। इस वर्ष हमने आय में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की और ईबीआईटीडीए में 16.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी का ऑपरेटिंग कैश फ्लो बढ़कर 131.4 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि कंपनी के मजबूत प्रदर्शन को दिखाता है। आगे बताया कि नजारा और उसकी सहयोगी कंपनियों की ओर से 950 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई गई है, जो कि अब तक की सबसे बड़ी फंडिंग है। इससे नेट कैश बैलेंस 1,450 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। नजारा टेक्नोलॉजीज गेमिंग में वर्ल्ड क्रिकेट चैम्पियनशिप, किडोपिया, एनिमल जैम, क्लासिक रम्मी, ईस्पोर्ट्स में नोडविन गेमिंग, स्पोर्ट्सकीड़ा और विज्ञापन में डेटावर्कज जैसे प्लेटफॉर्म चलाता है। मित्तरसैन ने कहा, हम चालू वित्त वर्ष को लेकर काफी आशावादी है। हमें उम्मीद है कि इस वर्ष आय के साथ ईबीआईटीडीए दोनों में ग्रोथ देखने को मिल सकती है। कंपनी ने हाल ही में नेक्सवेब मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण की घोषणा की है।

बैलेंस ग्रोथ के लिए जिला स्तर पर इकोनॉमिक इंजन की आवश्यकता : जोहो सीईओ

नई दिल्ली।
घरेलू क्लाउड सॉफ्टवेयर कंपनी जोहो के सीईओ श्रीधर वेम्बू ने कहा कि बैलेंस्ड ग्रोथ के लिए भारत को जिला स्तर पर इकोनॉमिक इंजन की आवश्यकता है।अपने आप को एक्सपेरिमेंटल इकोनॉमिस्ट मानते हुए उन्होंने कहा कि हर शहर या जिले का अपना एक इकोनॉमिक इंजन होना चाहिए। इससे देश में आर्थिक समृद्धि तेजी से बढ़ेगी। वेम्बू ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मैं हमेशा पूछता हूं कि किसी रीजन की ओर से पूरी दुनिया से कुछ सामान खरीदने के बदले में क्या बेचा जा रहा है और जो सामान हम किसी रीजन से पूरी दुनिया को बेचेंगे वो उस रीजन का इकोनॉमिक इंजन बन जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि इकोनॉमिक इंजन के जरिए आप आसानी से जान सकते हैं कि कौन-सा रीजन कितना समृद्ध है। हम इकोनॉमिक इंजन से हुई आय को रीजन के लिए वैल्यू एडिशन मान सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जोहो, तमिलनाडु के तेनकासी इलाके के लिए हर साल 100 मिलियन डॉलर की वैल्यू ऐड करता है। इस जिले की आबादी करीब 14 लाख है। ऐसे में जोहो का इस इलाके के लिए योगदान जिले स्तर पर 70 डॉलर प्रति व्यक्ति का है। वेम्बू ने जोर देते हुए कहा कि हमें पूरे भारत में ऐसे ही इकोनॉमिक इंजन की आवश्यकता है। हमारे पास 800 से ज्यादा जिले हैं और इससे पूरे देश में समान विकास हो सकता है। अगर ग्रामीण जिले के इकोनॉमिक इंजन के जरिए 1,000 डॉलर की प्रति व्यक्ति वैल्यू भी ऐड कर पाते हैं तो वे समृद्ध हो जाएंगे।

क्षेत्र अपने इकोनॉमिक इंजन से पूरी दुनिया को जो निर्यात करता है उससे प्रति व्यक्ति वैल्यू ऐड होता है, इससे इकोनॉमिक इंजन के प्रभाव को भी मापा जा सकता है।

घरेलू बाजारों में विदेशी निवेशकों की दमदार वापसी, क्या खत्म हो गया चुनावी नतीजों का खौफ

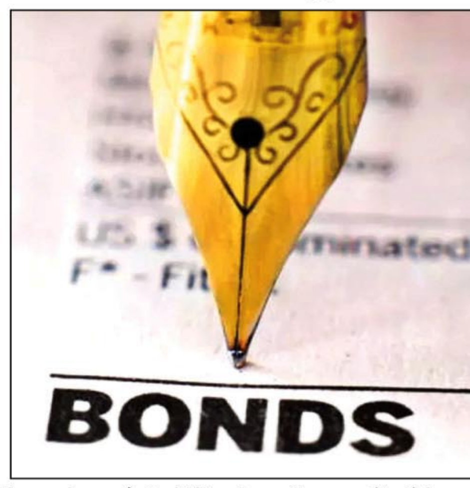

मुंबई।
विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बीते सप्ताह घरेलू इक्विटी बाजारों में मजबूती वापसी की है। इस कारण ही सप्ताह के दौरान बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स ने 75,418 का नया सर्वकालिक उच्च स्तर बनाया। वहीं, एनएसई के निफ्टी ने कारोबार के दौरान पहली बार 23 हजार का आंकड़ा पार किया। सिर्फ 1,165 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। यह हाल के कुछ सप्ताहों में सबसे कम बिकवाली है। इससे पता चलता है कि विदेशी निवेशक घरेलू बाजारों में लौट आए हैं। इस अवधि में घरेलू निवेशकों ने बाजार में 6,977 करोड़ रुपये का निवेश किया है। लोकसभा चुनाव का असर बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, चुनावी स्थिति एक बार फिर धीरे-धीरे सत्तारूढ़ सरकार के पक्ष में बदल रही है। इससे की बड़े पैमाने पर बिक्री बंद हो गई है और वे हाल के दिनों में खरीदार भी बन गए हैं। जैसे-जैसे चुनाव के मोर्चे पर स्पष्टता आएगी, भारत में खरीदारी बढ़ा सकते हैं। इसका कारण यह है कि वे चुनाव बाद की तेजी से चूकने का जोखिम नहीं उठा सकते।

शेयर मार्केट में तेजी बनी रहेगी

विशेषज्ञों के अनुसार, चुनाव परिणामों से पहले भी शेयर बाजारों में तेजी आ सकती है। डिपॉजिटरी के डेटा के अनुसार, मई में की कुल बिकवाली घटकर अब 22,046 करोड़ रुपये रह गई है जो 18 मई को समाप्त सप्ताह में 28,242 करोड़ रुपये थी। मई में अब तक डेट बाजारों में एफपीआई शुद्ध खरीदार बन गए हैं और अब तक 2,009 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। अप्रैल में एफपीआई ने इक्विटी से 8,671 करोड़ और डेट बाजारों से 2,009 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। इस बिकवाली की वजह शुरुआती चरण में कम वोटिंग को माना जा रहा था, जिससे विदेशी निवेशक चुनावी नतीजों को लेकर चिंतित हो गए थे।

भारत में संगठित क्षेत्र में बढ़ रहा रोजगार : वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट

नई दिल्ली।
कोविड-19 के दौरान उच्चतम स्तर पर पहुंची बेरोजगारी के बाद इसकी दर में निरंतर गिरावट आ रही है। वित्त मंत्रालय की नवीनतम मासिक आर्थिक समीक्षा के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था में संगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ी है। बेरोजगारी दर में गिरावट के साथ-साथ रोजगार को एक औपचारिक स्वरूप देने में भी वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सदस्यों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हो रही है।

आधार जैसे डिजिटल पहचान का निर्माण, ई-श्रम पोर्टल पर असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण और उद्यम पोर्टल पर एमएसएमई के पंजीकरण ने अर्थव्यवस्था के औपचारिकीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस साल 22 मई तक, 4.4 करोड़ एमएसएमई को उद्यम पोर्टल (उद्यम सहायता प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत अनौपचारिक उद्यमों सहित) पर पंजीकृत किया गया है। इनमें से 97 प्रतिशत से अधिक सूक्ष्म उद्योग हैं। वित्त वर्ष 2024 के दौरान ईपीएफओ में 1.47 करोड़ नए सदस्यों को शामिल किया गया। पिछले वर्ष के मुकाबले इसमें 6.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पिछले वर्ष ईपीएफओ से 1.39 करोड़ नए सदस्य जुड़े थे। वित्त वर्ष 24 में ईपीएफओ में लगभग 1.08 करोड़ नए ग्राहक नामांकित हुए। इनमें से 56.7 प्रतिशत नए शामिल ग्राहक 18-25 वर्ष के आयु वर्ग के थे। ईपीएफओ में फिर से शामिल होने वाले सदस्यों की अपेक्षाकृत उच्च संख्या यह दर्शाती है कि श्रम बाजार अपनी सामाजिक सुरक्षा सुरक्षा का विस्तार करने का विकल्प चुन रहा है।

पिछले कुछ महीनों में, ईपीएफओ में दोबारा शामिल होने वाले ग्राहकों की संख्या नए ग्राहकों या मौजूदा ग्राहकों के हटने की तुलना में अधिक रही है। वित्त वर्ष 24 के दौरान, 1.64 करोड़ सदस्य पहले बाहर निकलने के बाद फिर से ईपीएफओ से जुड़ गए। ईपीएफओ के अनुसार, इन सदस्यों ने अपनी नौकरियां बदल लीं और ईपीएफओ के तहत आने वाले प्रतिष्ठानों में शामिल हो गए। उन्होंने अपनी बचत को वापस लेने के बजाय इसे नए प्रतिष्ठान में स्थानांतरित करने का विकल्प चुना। पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2024 में मौजूदा ईपीएफओ ग्राहकों के नाम हटाए जाने की संख्या भी कम रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024 के दौरान 1.25 करोड़ ईपीएफओ ग्राहक बाहर हो गए, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 1.34 करोड़ था। इसमें यह भी कहा गया है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में बड़े स्तर पर रोजगार सृजन हुआ है। पीएमआई विनिर्माण रोजगार उप-सूचकांक विनिर्माण क्षेत्र में अधिक रोजगार के अवसरों का संकेत देता है। इसी तरह, पीएमआई सेवा उप-सूचकांक घरेलू मांग में बढ़ोतरी, नए व्यापार लाभ और अंतरराष्ट्रीय बिक्री में बढ़ोतरी के संयोजन से सेवा क्षेत्र में रोजगार सृजन में वृद्धि दर्शाता है।

अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर लगाई पाबंदी, दोनों देशों के बीच गहराया व्यापार युद्ध का संकट

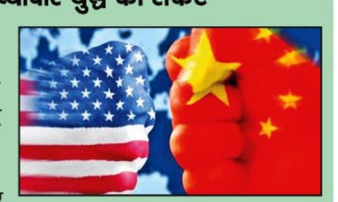

वाशिंगटन। चीनी उत्पादों पर निर्भरता कम करने व स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका ने चीन से आयात किए जाने वाले सैकड़ों वस्तुओं पर पाबंदी लगा दी या टैक्स बढ़ा दिया। अब, संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के कार्यालय ने 429 उत्पादों में से लगभग आधे पर अतिरिक्त शुल्क बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन के साथ व्यापार युद्ध शुरू किया था। उन्होंने 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 का हवाला देते हुए 300 अरब डॉलर से अधिक के चीनी सामानों के आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाया था। कुछ उद्योगों में कंपनियों को राहत देने के लिए, ट्रम्प ने कुछ उत्पादों के लिए टैक्स में छूट भी दी थी। पिछले हफ्ते, वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर टैक्स को चार गुना करने और सौर कोशिकाओं, अर्धचालक और अन्य कई सामानों पर टैक्स बढ़ाने की घोषणा की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने व्यापार प्रतिनिधि को चीन से 18 अरब डॉलर के आयात पर व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 के तहत टैक्स बढ़ाने का निर्देश दिया। अमेरिकी सरकार द्वारा चीन के सामानों पर पाबंदी लगाए जाने व टैक्स में बढ़ोत्तरी किए जाने के बाद अब दोनों देशों के बीच व्यापार संघर्ष बढ़ने की आशंका है। अमेरकी कदम के बाद अब चीन भी जवाबी कार्रवाई कर सकता है और अमेरिका से आयात किए जाने वाले सामानों पर जहां पाबंदी लगा सकता है, वहीं टैक्स में भी वृद्धि कर सकता है। इससे दोनों देशों के बीच संबंधों के और कटु होने की आशंका है।

सिमरन ने जीता स्वर्ण, भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, कुल 17 पदक जीते

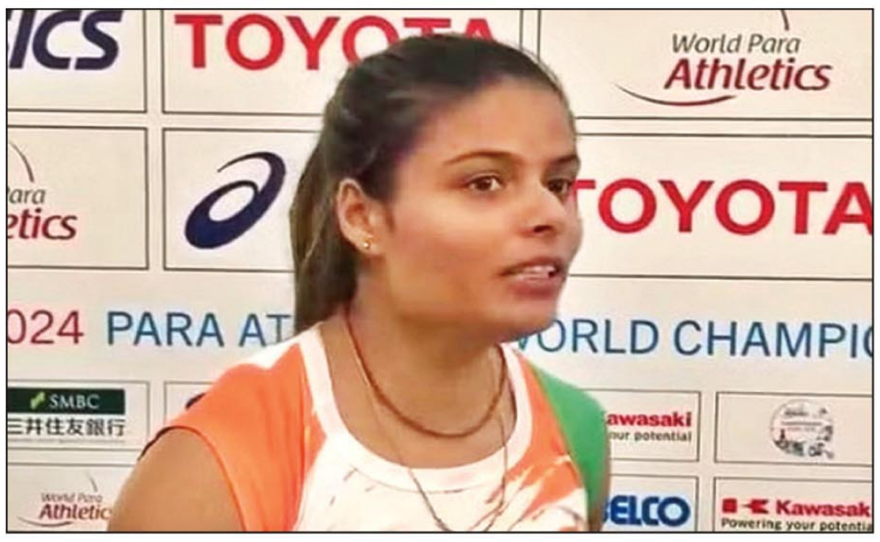

कोबे (जापान)।
दिल्ली की सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा में 24.95 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर भारत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अंतिम दिन छठा स्वर्ण पदक दिलाया जिससे देश ने 17 पदक से तालिका में छठा स्थान हासिल किया। सिमरन का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25.16 सेकंड था। डोमिनिका की डारलेनिस डि ला सेवेरिनो को रजत और लोरेन गोम्स डि एगुइयार को कांस्य पदक मिला। टी12 वर्ग में दृष्टिबाधित खिलाड़ी भाग लेते हैं। भारत के छह स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य समेत 17 पदक रहे। यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले पेरिस में 2023 में भारत ने तीन स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य से 10 पदक जीते थे। चीन 87 पदक (33 स्वर्ण, 30 रजत, 24 कांस्य) से तालिका में शीर्ष पर रहा। ब्राजील (19 स्वर्ण, 12 रजत, 11 कांस्य) के साथ दूसरे, उज्बेकिस्तान (सात स्वर्ण, चार रजत, दो कांस्य) के साथ तीसरे, ब्रिटेन (सात स्वर्ण, दो रजत, तीन कांस्य) के साथ चौथे और अमेरिका (छह स्वर्ण, 13 रजत, पांच कांस्य) के साथ पांचवें स्थान पर रहा। भारत के लिए दीप्ति जीवानजी (महिला 400 टी20), सचिन खिलाड़ी (पुरुष शॉट पुट एफ46), सुमित अंतिल (पुरुष भाला फेंक एफ64), थांगवेलु मरियप्पन (पुरुष ऊंची कूद टी63) और एकता भयन (महिला क्लब थ्रो एफ51) स्वर्ण पदक जीतने वाले पांच स्वर्ण पदक विजेता रहे। दो भारतीयों ने कांस्य पदक जीते। प्रीति पाल ने महिला 100 मीटर टी35 वर्ग (समन्वय संबंधित विकृति) में कांस्य पदक जीता जो उनका चैम्पियनशिप में दूसरा पदक है। उन्होंने 19 मई को इसी स्पर्धा के 200 मीटर में कांस्य पदक जीता था। नवदीप सिंह ने पुरुष भाला फेंक एफ41 वर्ग (छोटे कद) में सत्र के सर्वश्रेष्ठ 42.82 मीटर के प्रयास से भारत को एक और कांस्य पदक दिलाया। इससे पहले भारत को पुरूषों की एफ46 भालाफेंक स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे श्रीलंका के दिनेश प्रियंथा हेराथ के खिलाफ शिकायत सही साबित होने पर रजत और कांस्य पदक दिया गया है। पुरुषों के एफ46 भालाफेंक में भारत के रिंकू हुड्डा और अजीत सिंह तीसरे और चौथे स्थान पर रहे थे लेकिन भारत ने विरोध दर्ज किया था कि हेराथ इस वर्ग में भागीदारी के योग्य नहीं हैं। पैरा खेलों में समान शारीरिक अक्षमता वाले खिलाड़ियों को एक समूह में रखा जाता है ताकि प्रतिस्पर्धा बराबरी की हो। एफ46 वर्ग भुजा में कमी, कमजोर मांसपेशियों वाले या बाहों में गति की निष्क्रिय सीमा वाले एथलीटों के लिए है, जिसमें एथलीट खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं। भारतीय पैरालम्पिक समिति के एक अधिकारी ने कहा- हेराथ एफ46 श्रेणी का था ही नहीं।

न्यूज ब्रीफ

भारत ने पहली बार 2007 में जीता था टी20 वर्ल्ड कप, प्रशंसकों को रोहित ब्रिगेड से है इतिहास दोहराने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत ने पहली और आखिरी बार 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद से 7 टी20 वर्ल्ड कप खेले गए, लेकिन खिताब भारत से दूर ही रहा। भारतीय टीम जब रोहित शर्मा की अगुआई में आगामी टी20 विश्व कप के लिए अमेरिका और वेस्टइंडीज जाएगी तो उसकी नजरें दूसरे खिताब के लंबे इंतजार को खत्म करने पर टिकी होंगी। टी20 वर्ल्ड कप पहली बार 2007 में खेला गया, जब भारत एमएस धोनी की कप्तानी में चैंपियन बना। भारत इसके बाद सिर्फ एक बार 2014 में टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच पाया। तब उसे श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। खिताब का यह सूखा अन्य फॉर्मेट में भी दिखता है। भारत ने आखिरी बार आईसीसी ट्रॉफी 2013 में जीती थी। तब उसने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। भारत ने वनडे वर्ल्ड कप में पिछला खिताब 2011 में जीता था। भारतीय टीम इसके बाद एक बार वनडे वर्ल्ड कप और दो बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी हार चुकी है। एक अरब 40 करोड़ की जनसंख्या वाले क्रिकेट के दीवाने देश के क्रिकेट फैंस के लिए वर्ल्ड कप 2023 की हार पचा पाना आसान नहीं था क्योंकि टीम इंडिया अपने सभी 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम अब 5 जून से रोहित शर्मा की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान का आगाज करेगी। यह रोहित और विराट कोहली का आखिरी टी20 वर्ल्ड कप भी हो सकता है। रोहित अब तक सभी टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं जबकि 2012 में इस टूर्नामेंट में पदार्पण करने वाले कोहली छठी बार इसमें शिरकत करेंगे। विराट कोहली ने टूर्नामेंट में 27 मैच में 131.30 के स्ट्राइक रेट और 81.50 के औसत से 1141 रन बनाए हैं।

टी20 विश्व कप : रोहित के नेतृत्व में टीम इंडिया का पहला दस्ता अमेरिका रवाना

मुंबई। रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम का पहला दस्ता आईसीसी टी20 विश्व कप शुरू के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका रवाना हो गया है। इस दल में रोहित के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। इसे अलावा इस दल में कप्तान में मुख्य कोच राहुल द्रविड़, बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, बल्लेबाज शुभमन गिल, ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा और शिवम दुबे व तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल भी शामिल थे। इन सभी खिलाड़ियों ने मुंबई एयरपोर्ट पर फोटो सेशन भी कराया। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया पर फोटो सेशन की एक तस्वीर भी साझा की है। इस पहले जत्थे में अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी शामिल नहीं थे।

मलेशिया मास्टर्स 2024: महिला एकल फाइनल मैच के दूसरे गेम में पीवी सिंधु को लगा झटका, चीनी खिलाड़ी ने हराया

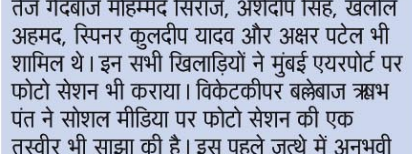

नई दिल्ली। डबल ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स 2024 महिला एकल फाइनल में चीन की वांग झीयी से हार गईं। भारतीय शटलर ने फाइनल की शुरुआत पहले गेम में 21-16 से जीत के साथ की। चीनी शटलर ने दूसरे में वापसी की और 21-5 से जीत हासिल की। आखिरी गेम में सिंधु ने दबदबा दिखाया और 11-3 की बढ़त ले ली। हालांकि, वांग ने शानदार वापसी की और गेम 16-21 से जीत लिया। कुआलालंपुर में मलयेशिया मास्टर्स 2024 महिला एकल फाइनल में चीन की वांग झीयी ने भारत की पीवी सिंधु को 16-21, 21-5, 21-16 से हराया। चीनी शटलर ने पहला गेम हारने के बाद शानदार प्रदर्शन किया। तीसरे गेम में सिंधु आधे चरण तक 11-3 से आगे थीं, लेकिन वांग ने धैर्य बनाए रखा और स्टाइल में वापसी की और खिताब जीता। 2022 के बाद से अपने पहले बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब का सिंधु लक्ष्य बना रही थीं। अब उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा।

एफआईएच प्रो लीग

भारत की पुरुष हॉकी टीम को शूटआउट में बेल्जियम से 1-3 से शिकस्त; लगातार दूसरी हार से मायूसी

नई दिल्ली।
भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग में 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट में बेल्जियम से 1-3 से हार मिली। अराईजीत सिंह ने 11वें मिनट में बढ़त दिला दी पर फेलिक्स ने 30वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। फ्लोरेंट (50वें मिनट) ने बेल्जियम को बढ़त दिलाई पर सुखजीत (57वें मिनट) में स्कोर 2-2 कर दिया।

शूटआउट में सुखजीत ही भारत के लिए गोल कर सके जबकि विवेक सागर, अभिषेक और अराईजीत चूक गए। इस बीच महिला टीम को प्रो लीग के बेल्जियम से 1-2 से हार मिली। बेल्जियम के खिलाफ यह टीम की लगातार दूसरी हार है। दुनिया में छठे नंबर पर मौजूद भारत एक अंक लेने के चक्कर में शूटआउट में 1-3 से हार गया। तीसरे नंबर पर काबिज बेल्जियम ने दो अंक हासिल किए, जिसमें शूटआउट जीतने का बोनस अंक भी शामिल है। अराईजीत सिंह हुंदल ने 11वें मिनट में बेहतरीन फील्ड गोल करके भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन फेलिक्स डेनेयर (30वें मिनट) ने हाफ टाइम से कुछ सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी हासिल कर ली।

फ्लोरेंट वान औबेल ने 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बेल्जियम को पहली बार मैच में आगे पहुंचाया, लेकिन सुखजीत सिंह (57वें) ने निर्धारित समय खत्म होने से तीन मिनट पहले स्कोर बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत के लिए केवल सुखजीत सिंह ने गोल किया, जबकि विवेक सागर प्रसाद, अभिषेक और अरजीत सिंह हुंदल चूक गए। बेल्जियम के लिए विलियम घिसलेन, फ्लोरेंट वान ऑबेल और गौथियर बोकार्ड ने लक्ष्य हासिल किया जबकि आर्थर डी स्लोओवर चूक गए।

भारत अपने पहले मैच में बेल्जियम से 1-4 से हार गया था। इससे पहले हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शूटआउट में अर्जेंटीना को 5-4 से हराया था। यह बेल्जियम की आक्रामक गोलकीपिंग ही थी जिसने उन्हें रोमांचक मुकाबले में पहुंचाया लेकिन भारत अपनी पिछली हार का बदला नहीं ले सका। अब भारत अर्जेंटीना के खिलाफ खेलने उतरेगा।

नीरज चोपड़ा ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में नहीं लेंगे हिस्सा सामने आई यह वजह

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 28 मई को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 में शामिल नहीं होंगे। इसकी पुष्टि करते हुए आयोजकों ने बताया कि चोट की वजह से वह इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। हालांकि, वह कार्यक्रम में बतौर अतिथि शामिल होंगे। हाल ही में चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग और फेडरेशन कप में भाग लिया था। आयोजकों ने कहा, दो सप्ताह पहले प्रशिक्षण के दौरान लगी चोट के कारण वह ओस्ट्रावा में थ्रो नहीं कर पाएंगे, लेकिन वह कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पहुंचेंगे। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन चोपड़ा ने 10 मई को दोहा डायमंड लीग में 88.36 मीटर के प्रभावशाली थ्रो के साथ रजत पदक जीतकर अपने 2024 सीजन की जोरदार शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने लगभग तीन साल बाद घरेलू प्रतियोगिता में वापसी की और 15 मई को फेडरेशन कप में 82.27 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

मुझे बना दो भारतीय क्रिकेट टीम का कोच माइकल वॉन, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने जताई भारतीय कोच बनने की इच्छा

नई दिल्ली।
इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने खुद सोशल मीडिया पर भारतीय टीम का कोच बनने की इच्छा जाहिर की है। इससे पहले बीसीसीआई ने टीम इंडिया के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर सें संपर्क किया है। गंभीर इस समय केकेआर टीम को कोचिंग दे रहे हैं।

ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि आईपीएल फाइनल के बाद गंभीर इसपर फैसला ले सकते हैं। सोशल मीडिया एक्स पर कोच राहुल द्रविड़, मुख्य सेलेक्टर अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा एक फोटो अपलोड करते हुए लिखा, 'आप इंडिया का अगला कोच किसे बनते हुए देखना चाहते हैं इसपर माइकल वॉन ने इस पोस्ट को रिट्वीट करते हुए एक इंसते हुए इमोजी के साथ लिखा, 'मी मतलब मैं।' इसके बाद सोशल मीडिया पर कॉमेंट की बाढ़ सी आ गई।माइकल वॉन के इस ट्वीट पर एक यूजर ने लिखा, ' क्यों नहीं। एक क्लासी क्रिकेटर और शानदार कप्तान को लाओ। रिकॉर्ड बोलते हैं। 2005 की एशेज सीरीज अभी तक जेहन में है।' दूसरे यूजर ने लिखा- 'सेल्फ कॉन्फिडेंस।' पाकिस्तानी जर्नलिस्ट ने माइकल वॉन को ट्रोल कर दिया। पाक पत्रकार फरीद खान ने लिखा, ' माइकल, उन्हें एक ऐसा कोच चाहिए जो कम से कम वनडे में एक शतक जड़ा हो।

बीसीसीआई ने कोच के लिए जो आवेदन जारी किए हैं उसमें सैलरी के बारे में नहीं बताया गया है। लेकिन वर्तमान में राहुल द्रविड़ को बीसीसीआई सैलरी के तौर पर सालाना लगभग 10 करोड़ रुपये दे रही है। इसका मतलब ये हुआ कि हर महीने द्रविड़ की सैलरी 8.34 लाख के आसपास है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई इससे पहले रवि शास्त्री को सालाना साढ़े नौ करोड़ सैलरी देती थी। मालूम हो कि भारतीय क्रिकेट टीम का अगला हेड कोच कौन होगा, इसपर अगले कुछ दिन में फैसला हो जाएगा।

मुस्ताफिजुर रहमान के छक्के की मदद से बांग्लादेश ने बचाई अपनी लाज, आखिरी मैच में अमेरिका को दिए बुरे जख्म

नई दिल्ली।
मुस्ताफिजुर रहमान (6 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने तीसरे व अंतिम टी20 इंटरनेशनल मैच में अमेरिका को 10 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ बांग्लादेश ने अपनी लाज बचाई और खुद का क्लीन स्वीप होने से रोका। अमेरिका ने तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की। ह्यूस्टन में खेले गए मुकाबले में अमेरिका ने पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 104 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश ने 11.4 ओवर में बिना विकेट गंवाएं लक्ष्य हासिल किया। बांग्लादेश और अमेरिका दोनों ही टीमें अब टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हिस्सा लेंगी। हसन ने जड़ा अर्धशतक 105 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को तानजिद हसन और सौम्य सरकार ने कोई नुकसान नहीं होने दिया। दोनों ने 108 रन की अविजित साझेदारी की। टी20 वर्ल्ड कप से पहले बांग्लादेश के लिए इस तरह का प्रदर्शन मनोबल बढ़ाने वाला रहा। तानजिद हसन ने 42 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 58 रन बनाए। इसके अलावा सौम्य सरकार ने 28 गेंदों में चार चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 43 रन बनाए। रहमान का कहर इससे पहले बांग्लादेश द्वारा बल्लेबाजी का न्योता स्वीकारने वाली अमेरिका की पारी शानदार शुरुआत के बाद लड़खड़ा गई। शायन जहांगीर (18) और एंड्रीस गौस (27) ने पहले विकेट के लिए 46 रन की साझेदारी की। शाकिब अल हसन ने गौस को सौम्य सरकार के हाथों कैच आउट कराकर अमेरिका को पहला झटका दिया।

टी20 विश्व कप की स्पेशल टीम में शामिल हुए कार्तिक बोले-उत्साहित हूं कॉमेंटेटर्स की सूची जारी, स्टीव स्मिथ, एरोन फिंच को भी मिला मौका

नई दिल्ली।
आईसीसी टी20 वर्ल्डकप 2024 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। टी20 वर्ल्डकप का शुभारंभ अमेरिका और कनाडा के मैच से होगा। भारतीय टीम अपना पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के साथ खेलेगी। इस विश्व कप से पहले आईसीसी ने टी20 विश्व कप के लिए कॉमेंटेटर्स की लिस्ट जारी कर दी है। आईसीसी ने इस लिस्ट में दिनेश कार्तिक, स्टीव स्मिथ, एरोन फिंच जैसे प्लेयर्स को मौका दिया है।

सूची जारी होने के बाद दिनेश कार्तिक ने कहा कि यह टूर्नामेंट कई मामलों में अलग है। यह सभी को उत्साहित करता है। 20 टीमें 55 मैच और नई जगह। सच में यह कमाल का होने वाला है। दिनेश ने कहा कि वह इसमें शामिल होने के लिए उत्साहित हैं। एरोन फिंच ने इसपर कहा कि यह एक स्पेशल इवेंट है। 20 टीमों के बीच यह कमाल का होने वाला है। कई शानदान मैच देखने को मिलेंगे। मैं आज भी गर्व महसूस करता हूं जब मैंने 2021 में टीम को चैंपियन बनाया था।

वहीं डेल स्टेन ने कहा कि टी20 विश्व कप, अपने नए प्रारूप और टीमों की प्रतिस्पर्धा के साथ, खेल को फैलाने का एक शानदार मौका है। उन्हें यकीन है कि पुराने और नए दोनों क्रिकेट फैंस इसकी शुरुआत के लिए उत्साहित होंगे। मैं हर टीम पर करीब से नजर रखूंगा और इसमें आने वाली अलग-अलग रणनीति को देखना दिलचस्प होगा।

विश्व कप के लिए कॉमेंटेटर्स की सूची में रवि शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ, मेल जोन्स, हर्षा भोगले और इयान बिशप, डेल स्टेन, वसीम अकरम, ग्रीम स्मिथ, माइकल एथरटन, वकार यूनिस, साइमन डोल, शॉन पोलक, रिकी पोंटिंग, सुनील गावस्कर, मैथ्यू हेडन, रमिज़ राजा, इयोन मोर्गन, टॉम मूडी, स्टीव स्मिथ, डेल स्टेन, एरोन फिंच और दिनेश कार्तिक शामिल हैं।

भारतीय महिला कंपाउंड टीम की स्वर्णिम हैट्रिक सुरेखा-परनीत-अदिति ने रचा इतिहास

येचीयोन।
तीरंदाजी के महिला कंपाउंड वर्ग में ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और विश्व चैंपियन अदिति स्वामी ने विश्वकप स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने पिछले महीने शंघाई में विश्वकप के पहले चरण में इटली को हराकर स्वर्ण जीता था। वहीं पिछले साल पेरिस में चौथे चरण में भी स्वर्ण हासिल किया था।

दुनिया की नंबर एक भारतीय महिला तिकड़ी ने तुर्किये की हेजल बुरून, एइसे बेरा सुजेर और बेजम की टीम को 232-226 से हराकर एक भी सेट गंवाए बिना पहला स्थान हासिल किया। दूसरी वरीय भारतीय टीम ने तीन एक्स (केंद्र बिंदु के समीप) के साथ शुरुआत की। अगले तीन तीरों में एक-एक अंक गंवाया।

पहले दौर में भारतीय टीम पांचवीं वरीयता की अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम से एक अंक से आगे थी। छह तीरों के अगले दौर में भारतीय तिकड़ी ने पूरा दबदबा बनाते पांच परफेक्ट-10 किए और दूसरे दौर की समाप्ति पर बढ़त चार अंकों की कर ली। अंतिम से पहले दौर में हालांकि तुर्किये ने चार परफेक्ट-10 लगाकर चुनौती देने का प्रयास किया लेकिन अंतिम दौर में भारतीय टीम ने 58 स्कोर अर्जित कर जीत तय कर ली।

मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत की चांदी एशियाई खेलों की चैंपियन ज्योति हालांकि दूसरा स्वर्ण नहीं जीत सकी और उन्हें मिश्रित टीम स्पर्धा में प्रियांश के साथ रजत पदक मिला। ज्योति-प्रियांश की कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अमेरिका की ओलिविया डीन और सायेर सुलिवान की जोड़ी से 155-153 से हार गई। यह मुकाबला दो श्रेष्ठ रैंकिंग की टीमों के बीच था। पहले दौर में भारतीय टीम 40 में से 39 अंक लेकर आगे थी लेकिन अगले दौर में ओलिविया और सुलिवान ने स्कोर 76-76 कर दिया।

दूसरी वरीयता की अमेरिकी टीम ने फिर तीसरे दौर में 40 का परफेक्ट स्कोर किया जबकि भारतीय टीम 39 ही हासिल कर सकी। शूट ऑफ के लिए भारतीय टीम को अब 40 के स्कोर की जरूरत थी लेकिन टीम 38 ही कर पाई। अमेरिका ने 39 के स्कोर के साथ स्वर्ण जीत लिया। कंपाउंड में तीसरे पदक रह गया जब प्रथमेश फुगे नीदरलैंड के माइक स्केलोसर से कांस्य पदक के शूट ऑफ में हार गए। इससे पहले फुगे को सेमीफाइनल में अमेरिका के जेम्स से हार मिली थी।

मुक्केबाज अभिमन्यु लौरा ने क्रिस्टियन निकोलोव को हराया, अगले दौर में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजों का विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन जारी रहा और राष्ट्रीय चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अभिमन्यु लौरा ने शानदार जज्बा दिखाते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के 80 किग्रा वर्ग के पहले दौर में बुल्गारिया के क्रिस्टियन निकोलोव पर जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। वापसी करने में सफल रहे अभिमन्यु अभिमन्यु ने धीमी शुरुआत की जिससे बुल्गारिया के 10 बार के राष्ट्रीय चैंपियन निकोलोव ने पहले राउंड में दबदबा बना लिया। हालांकि 21 साल के भारतीय मुक्केबाज ने तेजी से रणनीति बदली और दूसरे राउंड में आक्रामक हो गए जिससे पांच में से चार जजों ने उनके हक में अंक दिए। इस भारतीय ने तीसरे और अंतिम राउंड में तेजी से मुक्के जड़ना जारी रखते हुए 3-0 से मुकाबला जीत लिया। इससे थाईलैंड की राजधानी में भारतीय दल के दो मुकाबलों में यह दूसरी जीत रही। सचिन सिवाच ने 57 किग्रा वर्ग में न्यूजीलैंड के एलेक्स मुकाका को हराकर जीत से खाता खोला था। सात पुरुष और तीन महिला मुक्केबाज पेश कर रहे हैं चुनौती भारत ने दूसरे विश्व क्वालीफायर में सात पुरुष और तीन महिला मुक्केबाज उतारे हैं। अभिनाश जामवाल (63.5 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) अपने-अपने वर्गों में चुनौती पेश करेंगे। जामवाल का सामना लिथुआनिया के आंद्रिजुस लावरेनोवास से होगा, जबकि निशांत शुरुआती बाउट में आमंडो बिगाफा के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे।

बाएं हाथ में ही क्यों पहनते हैं घड़ी?

क्या आपने कभी सोचा कि क्यों बाएं हाथ में ही घड़ी पहनी जाती हैं? इसका जवाब बहुत ही रोचक है।

बाएं हाथ में घड़ी पहनने से भी पहले आपको उस दौर में चलना होगा जब घड़ियां हाथ में नहीं पॉकेट में हुआ करती थीं। आपने भी पुराने जमाने की चेन वाली घड़ियां देखी होंगी जिन्हें जेब में रखा जाता था। जेब से निकालकर समय देखा जाता था।

माना जाता है कि कुछ लोग इस चेन वाली घड़ी को हाथ में पहनने लगे और इन हाथ में घड़ी बांधने का चलन शुरू हुआ। बाएं हाथ में घड़ी बांधने की मुख्य वजह अधिकतर लोगों का दाएं हाथ से अधिकतर काम करने वाला होना है। जब आपका दायां हाथ काम में व्यस्त है, बाएं हाथ में इसी दौरान समय देखना बेहद आसान होता है और काम भी दाएं हाथ से चलता रहता है। बाएं हाथ में घड़ी बांधना इतना कॉमन है कि घड़ियां भी इसी हिसाब से बनाई जाने लगीं। दाएं हाथ से अन्य काम करने के चलते आपकी घड़ी भी सुरक्षित रहती है। इसके गंदे होने, स्क्रेच लगने और काम की जगह जैसे टेबल पर टकराने की संभावना भी कम होती है।

ऐसे मंदिर जहां पुरुषों का प्रवेश है वर्जित

मंदिरों में महिलाओं के प्रवेश वर्जित होने की बात कई बार सुनते हैं लेकिन भारत में ऐसे कई मंदिर मौजूद हैं जहां पुरुषें का जाना वर्जित है। केरल के तिरुवनंतपुरम में देवी पार्वती मंदिर है। इस मंदिर में हर साल करीब 30 लाख महिलाएं दर्शन के लिए आती हैं। इसे 'नारी सबरीमला' के नाम से भी जाना जाता है। इसमें भी पुरुषें का प्रवेश वर्जित है।

केरल के अलापुझा जिले में स्थित एक ओर मंदिर है जहां पुरुषें का प्रवेश वर्जित है। इस मंदिर में हर साल पोंगल का त्योहार मनाया जाता है, जिसमें हजारों महिला श्रद्धालु हिस्सा लेती हैं। यह कार्यक्रम करीब एक हफ्ते तक चलता है, जिसे नारी पूजा के नाम से भी जानते हैं। इस दौरान यहां पुरुषें का प्रवेश विशेष तौर पर वर्जित होता है। तमिलनाडु के देवी कन्याकुमारी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। देवी भगवती के इस स्वरूप को संन्यास की देवी के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि इस मंदिर के गर्भगृह में विवाहित पुरुषें का प्रवेश सख्त वर्जित है।

बच्चे हरी सब्जियां खाने में करते हैं नखरे तो अपनाएं ये तरीके

खानेपीने की अच्छी आदतें बचपन से डाली जाएं तो वो ताउम्र कायम रहती हैं। शुरू से ही बच्चों को यदि हरी पत्तेदार सब्जियां, फल आदि खाने में दिए जाएं तो वो हमेशा हेल्दी खाना खाएंगे और स्वस्थ रहेंगे। बस, थोड़ी सी मेहनत करें तो बच्चों में नई-नई सब्जियों का स्वाद पसंद करवाने के लिए लंबा इंतजार करने की जरूरत नहीं रह जाएगी।

1. नई सब्जियां कराएं ट्राई

एक नए डिश को अपनाने में बच्चों को कम से कम छह से सात बार उसे ट्राई करने तक का समय लग जाता है। आप अपनी कोशिश में कमी न आने दें। यकीन मानिए, सालभर में ही आपका बच्चा नई-नई चीजों की तारीफ करना शुरू कर देगा।

2.शॉपिंग पर ले जाएं

खाने-पीने के सामानों की शॉपिंग के लिए जब आप मार्केट जा रही हों तो बच्चे को भी अपने साथ ले जाएं। नए-नए फलों व सब्जियों की खरीदारी से उन्हें लगाव हो जाएगा। फिर, अपनी चुनी हुई नई सब्जियों व फलों को खाना उन्हें पसंद आने लगेगा।

3. सजाकर परोसें प्लेट

भोजन के साथ इनोवेटिव बनें, खासकर तब जब आप बच्चों को उनसे इंट्रोड्यूस करवा रही हों। उसे करीने से प्लेट में सजाकर स्टाइल के साथ पेश करें ताकि वह खूबसूरत, क्रिएटिव और आकर्षक नजर आएं। इससे वे नए-नए खाद्य पदार्थों से जल्दी दोस्ती कर उन्हें अपना बना लेंगे।

4. जबरदस्ती न करें

खाने की जगह को लड़ाई का मैदान न बनने दें। बच्चों को उतना ही खिलाएं, जितना वे अपनी मर्जी से खाना चाहें। इस तरह वे उसे एंज्वॉय कर पाएंगे।

5. खाने पर हो पूरा ध्यान

बच्चों में टीवी देखते हुए खाने की आदत न डालें। इससे न तो वे यह समझ पाएंगे कि वे क्या खा क्या रहे हैं और न ही खाने की तारीफ कर पाएंगे। कभी-कभार अति व्यस्त दिनचर्या के बीच आप ऐसा कर सकती हैं, लेकिन इसकी आदत ना डालें।

6. स्वाद पहचानना सिखाएं

सभी सब्जियों को अलग-अलग तैयार कर करीने से परोसें न कि मिक्स वेजिटेबल के रूप में। बच्चों को मिक्स वेजिटेबल परोसने से उन्हें अलग-अलग सब्जियों के स्वाद, सुगंध और जायके को समझने में परेशानी हो सकती है।

7. वक्त का रखें ध्यान

बच्चों को समय से भोजन देते रहें ताकि उन्हें स्नैक्स खाने की गलत आदत से बचा सकें। बीच-बीच में स्नैक्स देने के दो नुकसान हैं। बच्चों को फास्ट फूड की लत लग जाती है और उन्हें खाने के टाइम पर भूख भी नहीं लगती।

साफ और खुशबूदार टॉवल के लिए ये करें...

बारिश के मौसम में टॉवल देर तक सूखते नहीं है। ऐसे में उन्हें नमी की बदबू से बचाना बेहद मुश्किल हो जाता है। साफ-सुंदर-खुशबूदार

टॉवल के लिए ये तरीके अपनाएं...

- नहाने के बाद टॉवल को धूप में डालने की आदत के जबरदस्त फायदे हैं। यह करते रहेंगे तो साफ फर्क देखेंगे।
- नए टॉवल से रोएं निकलने की समस्या तब तक आएगी, जब तक यह एक-दो बार धुल नहीं जाएंगे।
- टॉवल के रंगों को बरकरार रखना चाहते हैं तो पहली बार जब इसे धोएं तो डिटर्जेंट के साथ विनेगर भी डालें, इसके बाद मैन्युफैक्चर इंस्ट्रक्शन के अनुसार इन्हें सुखाएं।
- नमी की गंध भगाने के लिए टॉवल को गर्म पानी में विनेगर डालकर धोएं। अब दोबारा अपने लॉन्ड्री डिटर्जेंट से भी धोएं।
- हमेशा ध्यान रखें कि ज्यादा डिटर्जेंट डालेंगे तो टॉवेल ज्यादा साफ नहीं होता उल्टा यह कडक हो जाएगा।
- कपड़ों के साथ टॉवल धोने की आदत को बदल लें। इस कारण टॉवल की सफाई अच्छी तरह से नहीं हो पाती है।

ऐसे रहेगा मेकअप परफ़ेक्ट

मॉनसून सबसे खूबसूरत मौसम होता है लेकिन घर से बाहर निकलते ही आपके मेकअप को खराब भी कर देता है। बारिश के डर से बेस्ट दिखना बंद नहीं कर दें। ये सूपर ट्रिक्स अपनाकर आप अपने मेकअप को परफ़ेक्ट बनाए रख सकते हैं।

- मॉनसून का मतलब बारिश और खूब सारी उमस। मेकअप शुरू करने से पहले बेस मजबूत करें। इसके लिए ये तीन स्टेप वाला स्किन केयर रूटीन अपनाएं। फ़ेसवॉश, टोनर और मॉइस्चराइजर। ऑइल कंट्रोल सोप-फ्री फ़ेस वॉश का इस्तेमाल करें। इससे ब्रेकआउट्स नहीं होंगे और आपकी स्किन भी ओवरड्राय नहीं होगी। रोज-वॉटर और नैचरल टोनर से चेहरा साफकरें। इसके बाद एसपीएफ वाला लाइट वेट मॉइस्चराइजर लगाएं।
- ह्यूमिडीटी का एक जनरल रूल ये है कि हेयर और मेकअप के साथ थोड़ा ईजी हो जाएं। जितना ज्यादा नैचरल रह सकते हैं... रहें। फाउंडेशन को सबसे पहले हटा दें क्योंकि इससे आपकी स्किन ज्यादा ऑइली दिखने लगेगी। ब्लश और आयशैडो को भी इग्नोर कर सकते हैं।
- बारिश के दिन बहुत डिप्रेसिंग भी हो सकते हैं लेकिन ये आपके चेहरे पर नहीं दिखना चाहिए। अपने मेकअप को जगह पर टिकाए रखने के लिए अच्छे प्राइमर का इस्तेमाल करें। इस तरह चेहरे पर ऑइल और चिपचिपाहट नहीं दिखाई देंगे। अब तो चेहरे के हर भाग प्राइमर मिल रहे हैं। फाउंडेशन और लिप प्राइमर से लेकर आयशैडो और लैश प्राइमर भी मिलते हैं। ये आपके मेकअप के अंदर सेट हो जाते हैं और बारिश में मेकअप गीला हो जाने पर भी बिगड़ने नहीं देते हैं।
- मानसून की सबसे खराब बात ये है कि सभी के बाल फ्रिज-बॉल की तरह दिखाई देने लगते हैं। अगर छतरी घर पर ही भूल जाते हैं और बाल भीग जाते हैं तो बाल ढेर सारा पानी एब्जॉर्ब कर लेते हैं। लीव-इन कंडीशनर या सीरम काफी हद तक फ्रिज की दिक्कत को कंट्रोल कर लेते हैं। बालों को इस मौसम में बांध कर रखना ही ठीक है। ब्लोड्राय के बाद हेयरस्प्रे से बालों को सेट जरूर करें।
- लगभग हर मेकअप प्रोडक्ट का वॉटरप्रूफ वर्जन मिल जाता है। इन्हें जरूर स्टॉक करके रखें। भारी बारिश में इन्हें लगाकर ही बाहर निकलें। इनमें से भी वॉटरप्रूफ मस्कारा सबसे ज्यादा जरूरी है। एक अच्छा मस्कारा इस्तेमाल करते हैं तो लाइनर भी स्किप कर सकते हैं। लिक्विड की जगह स्टिक या पॉट फाउंडेशन यूज करें। स्मज-प्रूफ लिपस्टिक ही लगाएं।
- जब मेकअप के साथ मेहनत की है तो अब इसे जगह पर बनाए रखने के लिए भी एक प्रोडक्ट बहुत जरूरी है। ट्रिक ये है कि हेयरस्प्रे की सूपर लाइट कोटिंग चेहरे पर स्प्रे करें। इस तरह आपका मेकअप अपनेआप जगह पर बना रहेगा और लम्बे वक़्त तक हटेगा नहीं।

लिप्स को मैट लिपलाइनर से आउटलाइन करें। इसे लिपस्टिक पेन्सिल से शेड करें। इनमें लिपस्टिक और ग्लॉस के मुकाबले कम मॉइस्चर पाया जाता है। आंखों के लिए वॉटर प्रूफ काजल का इस्तेमाल करें। अलग कलर्स में भी काजल या लाइनर ट्राय करें। आंखों के कोने में वाइट आइलाइनर पॉप ऐड करेगा। मानसून में लिक्विड आइलाइनर से दूर ही रहें।

मॉनसून में हो रहे कई प्रकार के बुखार ये हैं वायरल के लक्षण

मॉनसून में होने वाले बुखार के लक्षण

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मानद महासचिव पद्मश्री डॉ. के. के. अग्रवाल का कहना है कि अगर मॉनसून में बुखार हो तो इन बातों का ध्यान रखें: जब तक टायफायड की पहचान न हो जाए, तब तक कोई भी एंटीबायटिक न लें। खांसी, आंखों का लाल होना और जुखाम आदि वायरल विकार की वजह से भी हो सकता है। डेंगू होने पर आखें हिलाने पर दर्द होता है। वहीं, चिकनगुनिया में मरीज़ को बुखार, रैशेज़ और जोड़ों में दर्द होता है। कलाई के जोड़ों को दबाने से जोड़ों का दर्द बढ़ता है। मलेरिया के बुखार में कपकपी छूटती है और कठोरपन आ जाता है। बुखार के बीच में टोक्सीमिया नहीं होता।

सीजन के बदलने पर लोगों को कई बीमारियां अपनी चपेट में ले लेती हैं, जैसे जुखाम, खांसी, बुखार। कई लोग ऑफिस या काम पर जाने के लिए एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं, ऐसा करना गलत है। बिना डॉक्टर की सलाह लिए कोई भी मेडिसिन लेना शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। साथ ही मॉनसून में होने वाला बुखार भ्रम भी पैदा करता है।

बुखार कई प्रकार के होते हैं। इसमें मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, पीलिया और टायफायड शामिल हैं। इन सभी के लक्षण मिलते-जुलते रहते हैं। मॉनसून के बुखार में एस्प्रिन लेना नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि कई किस्म के बुखार में प्लेटलेट्स की संख्या घटने लगती है।

पीलिया में जब तक पीलिया सामने आता है तब तक बुखार चला जाता है। टायफायड का रोगी टॉक्सिक लगता है और उसकी नब्ज बुखार से कम होती है। ज़्यादातर वायरल बुखार अपने आप नियंत्रित होते हैं और एक सप्ताह में ठीक हो जाते हैं। मॉनसून के ज़्यादातर वायरल विकारों में उचित मात्रा में पानी लेने से इलाज हो जाता है। किसी लंबी मेडिकल बीमारी के दौरान बुखार होने पर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

रिश्तों को बेहतर करना है तो करें प्लानिंग!

अगर आप रिश्तों में बुरे दौर से गुजर रहे हैं, तो भविष्य के बारे में सोचना आपके रिश्ते में गरमाहट ला सकता है. क्योंकि यह उलझनों से उबरने में मदद करता है और जीवन में सकारात्मकता लाता है. हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है. वाटरलू यूनिवर्सिटी में अनुसंधान करने वाले एलेक्स हुएन्ह ने कहा, ल्लजब आपका पार्टनस पैसे, जलन या आपसी मुद्दों पर बहस करता है, तो वह उस वक्त अपने भावनाओं का इस्तेमाल बहस को तीखा करने के लिए करता है. ऐसे में जब वह अपने रिश्ते को लेकर भविष्य के बारे में सोचना शुरू करता है, तो उनका ध्यान झगड़े से हट जाता है.।

यह अध्ययन पत्रिका 'सोशल साइकोलॉजिकल एंड पर्सनैलिटी साइंस' में प्रकाशित हुआ है.

अतीत के शोध के मुताबिक, लोग बेवफाई के मुद्दों पर अधिक बेहतर तरीके से सोचने में सक्षम होते हैं, जब उनसे तीसरे व्यक्ति के रूप में पहलू पर सोचने के लिए कहा जाता है.

हुएन्ह ने कहा, हमारे अध्ययन में यह बाते सामने आई है कि रिश्तों के संघर्ष के संदर्भ में भविष्य आधारित अवधारणा को अपनाने से मनोवैज्ञानिक तौर पर खुशी व संबंध अच्छे होते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**